website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 358 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 04 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

एलन मस्क की बड़ी भविष्यवाणी, कहा– जल्द दुनिया वैश्विक जंग की ओर बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शामिल एलन मस्क ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने कहा कि दुनिया बहुत जल्द एक वैश्विक युद्ध में फंस सकती है। यह टिप्पणी उन्होंने ग्लोबल गवर्नेंस और परमाणु निवारण को लेकर किए गए एक पोस्ट पर की। यह पोस्ट 'एंटर' नाम के एक यूजर द्वारा साझा की गई थी, जिसमें कहा गया था कि युद्ध जैसे बाहरी खतरों के बावजूद दुनिया भर की सरकारें अब पहले की तुलना में कम प्रभावी हो चुकी हैं।

मस्क ने इस पोस्ट पर दी प्रतिक्रिया

यूजर ने अपने पोस्ट में लिखा था कि मौजूदा समय में सभी सरकारें बेअसर साबित हो रही हैं। ताकतवर देशों के बीच सीधे युद्ध को परमाणु हथियारों के डर ने फिलहाल रोका जरूर है, लेकिन इसके बावजूद सिस्टम कमजोर होता जा रहा है। पोस्ट में यह भी कहा गया कि मौजूदा सरकारें न तो किसी बाहरी खतरे के दबाव में हैं और न ही बाजार के असर में काम कर रही हैं। इसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने लिखा कि आने वाले 5 से 10 सालों के भीतर युद्ध होना तय है। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि मस्क ने यह बात मजाक में कही या फिर इसे गंभीर चेतावनी के तौर पर लिखा गया।

मस्क के बयान पर लोगों की प्रतिक्रियाएं

एलन मस्क के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ यूजर्स ने इस बयान का विश्लेषण AI चैटबॉट 'ग्रोक' से भी कराया। ग्रोक के अनुसार, मस्क ने इस अनुमान में किसी देश, गुट या युद्ध की ठोस वजह का जिक्र नहीं किया है। हालांकि, मस्क के पुराने बयानों को देखें तो उन्होंने पहले यूरोप और ब्रिटेन में तेजी से हो रहे माइग्रेशन, आइडेंटिटी पॉलिटिक्स और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दों की ओर इशारा किया है। इसके अलावा वे अमेरिका-चीन तनाव और यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर भी पहले ही तीसरे विश्वयुद्ध जैसी वैश्विक जंग की चेतावनी दे चुके हैं।

ट्रंप बोले: "हम इस युद्ध को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं", रुस-यूक्रेन शांति को लेकर दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर बयान दिया है। वॉशिंगटन में कैबिनेट की बैठक से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह संघर्ष बेहद जटिल स्थिति में पहुंच चुका है और इसे सुलझाना आसान नहीं होगा। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार इस युद्ध को खत्म करने के प्रयास में जुटी हुई है और इस दिशा में गंभीर कदम उठाए जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि इसे समाप्त कराना उनके कार्यकाल की बड़ी कूटनीतिक सफलताओं में से एक हो सकता है। ट्रंप ने बताया कि उनकी टीम फिलहाल रूस में मौजूद है और युद्ध को समाप्त करने की संभावनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, "हम इस युद्ध को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे लोग अभी रूस में हैं, यह देखने के लिए कि क्या इसे सुलझाया जा सकता है। लेकिन यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। हालात काफी बिगड़े हुए हैं।"

शांति वार्ता पर जेलेंस्की ने जताई उम्मीद

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की आयरलैंड के दौरे पर हैं। इस दौरान जेलेंस्की ने भी शांति वार्ता को लेकर कुछ उम्मीद जताई है। हाल के दिनों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बातचीत तेज हुई है, जिसे अमेरिका की बढ़ती रुचि से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे ट्रंप की सक्रिय भूमिका के सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, "हमें थोड़ी-सी उम्मीद जरूर मिली है। बातचीत में तेजी आई है और अमेरिकी पक्ष की तरफ से गंभीर रुचि दिखाई दे रही है। इससे यह साफ है कि अमेरिका कूटनीतिक समाधान से पीछे नहीं हट रहा है, जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है।"

पुतिन की यूरोप को चेतावनी

वहीं दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है और अगर यूरोप ने किसी तरह की उकसावे की कोशिश की तो उसे तेज और निर्णायक जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी टकराव की स्थिति में यूरोप को गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुतिन का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब यूरोप और नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को सैन्य सहायता लगातार बढ़ाई जा रही है। इससे रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव और गहराता नजर आ रहा है, जबकि दूसरी ओर शांति प्रयासों को लेकर कूटनीतिक हलचल भी तेज हो गई है।

भारत आने से पहले पुतिन की यूरोप को चेतावनी, बोले– जंग चाहते हो तो रुस पूरी तरह तैयार

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत दौरे से पहले यूरोपीय नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है। पुतिन ने साफ शब्दों में कहा कि अगर यूरोप युद्ध चाहता है तो रूस उसके लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी संघर्ष में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर को भारत दौरे पर पहुंचने वाले हैं। इस बीच मॉस्को में यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पुतिन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कोरी कुशनर यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करने के लिए मॉस्को में मौजूद हैं।

लड़ाई के मूड में दिखे पुतिन

मॉस्को में आयोजित एक इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने यह तीखा बयान दिया। दिलचस्प बात यह रही कि जिस वक्त पुतिन मंच से बोल रहे थे, उसी समय विटकॉफ और कुशनर रूस-यूक्रेन शांति समझौते से जुड़ी बातचीत के लिए मॉस्को के ही दूसरे हिस्से में पुतिन से मिलने का इंतजार कर रहे थे। अपने संबोधन

में पुतिन ने कहा कि वे युद्ध शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन चेतावनी देते हुए बोले, "अगर यूरोप अचानक हमारे खिलाफ युद्ध शुरू करता है, तो रूस तुरंत जवाब देने के लिए तैयार है।" उन्होंने आगे कहा कि यूरोप का ऐसा कोई भी कदम "ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिसमें बातचीत करने वाला कोई नहीं बचेगा।"

शांति प्रक्रिया पर लगाई रोक

मीडिया से बातचीत में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि फिलहाल उनके पास शांति वार्ता को लेकर कोई खास एजेंडा नहीं है और मौजूदा हालात में वे पूरी तरह युद्ध के मूड में हैं। इसी दौरान पुतिन ने यूरोपीय देशों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले दिए गए शांति प्रस्तावों में ऐसे बदलाव किए, जिन्हें रूस किसी भी हाल में स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इन्हीं शर्तों की वजह से शांति प्रक्रिया को स्थगित करना पड़ा, लेकिन इसके लिए केवल रूस को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से पांच घंटे की मुलाकात

इन्वेस्टमेंट फोरम के बाद रूसी राष्ट्रपति राजधानी के दूसरे हिस्से में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के लिए पहुंचे। शुरुआती औपचारिक अभिवादन और तस्वीरों के बाद मीडिया को कमरे से बाहर भेज दिया गया। दोनों पक्षों के बीच यह बैठक करीब पांच घंटे तक चली। इस बातचीत को लेकर रूसी राष्ट्रपति के दूत किरिल दिमित्रीव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि यह चर्चा "बेहद उपयोगी, रचनात्मक और ठोस" रही।

'संसद में पीडीए का परचम लहरा रहीं सपा की महिलाएं'- अखिलेश यादव

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार सपा की रणनीति में महिला वोटरों को खास तरजीह दिए जाने के संकेत मिल रहे हैं। अखिलेश यादव ने साफ कहा है कि अगर प्रदेश में सपा की सरकार बनती है तो महिलाओं के सम्मान, समृद्धि और सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें सपा सांसद डिंपल यादव के साथ इकरा हसन और प्रिया सरोज नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के जरिए उन्होंने महिलाओं को राजनीति और प्रतिनिधित्व में आगे लाने की बात कही। सपा प्रमुख ने कहा कि नारी शक्ति का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उन्हें केवल बोलने का मौका ही नहीं, बल्कि पूर्ण और ईमानदार प्रतिनिधित्व मिले।

सपा प्रमुख का महिला सशक्तिकरण पर जोर

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, "संसद में पीडीए का परचम लहरातीं सपा की ज़िम्मेदार जन प्रतिनिधि। नारी शक्ति का विकास केवल कहने से नहीं, बल्कि उन्हें सच्चा प्रतिनिधित्व देने से होगा। पीडीए में 'आधी आबादी' के रूप में शामिल हर स्त्री का सम्मान और समृद्धि हमारा संकल्प है।" उन्होंने आगे कहा, "PDA में शामिल 'A' यानी 'आधी आबादी' का मतलब हर बच्ची, युवती, नारी और महिला को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। हम उन्हें

अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए 'स्त्री सम्मान–समृद्धि योजना' लाएंगे और उत्तर प्रदेश की उन्नति के अपने संकल्प को पूरा करेंगे।"

महिला मतदाताओं की बढ़ती भूमिका

गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। हाल के बिहार विधानसभा चुनावों में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया था। इसी तरह महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के चुनावों में भी महिला वोटिंग प्रतिशत में इजाफा देखने को मिला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई योजनाओं का सीधा असर मतदान में उनकी सक्रिय भागीदारी के रूप में दिखा है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी भी महिला मतदाताओं पर अपना फोकस बढ़ाती नजर आ रही है। अखिलेश यादव के हालिया बयान और सोशल मीडिया संदेश को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

मास्क पहनकर संसद पहुंचे दीपेंद्र हुड्डा, वायु प्रदूषण पर कांग्रेस सख्त, पीएम से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जहरीली होती हवा के बीच कांग्रेस ने इस मुद्दे को अलग अंदाज में संसद में उठाया। शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बुधवार (3 दिसंबर) को कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा मास्क पहनकर संसद पहुंचे। उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वायु प्रदूषण के संकट पर तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोग मजबूरी में जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने वायु प्रदूषण को गंभीर राष्ट्रीय संकट बताते हुए मांग की कि प्रधानमंत्री स्वयं इस मुद्दे पर आगे आएं। साथ ही उन्होंने हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से मिलकर एक साझा रणनीति बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस योजना की मांग

कांग्रेस सांसद ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से निपटने के लिए सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस योजना की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का एक विशेष समूह बनाया जाए, जो बजट के साथ विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। हुड्डा ने कहा, "आज हालात ऐसे हैं कि हम जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और स्थायी समाधान निकालना जरूरी है।"

दिल्ली-एनसीआर में फिर बिगड़ी हवा की गुणवत्ता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक दिन की मामूली राहत के बाद बुधवार को एक बार फिर वायु गुणवत्ता बिगड़ गई। कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 400 के पार दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। गाजियाबाद समेत एनसीआर के अन्य इलाकों में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बढ़ते प्रदूषण के चलते लोगों को साफ हवा में सांस लेना मुश्किल हो गया है। अस्पतालों में सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। ऐसे में कांग्रेस ने संसद में मास्क पहनकर पहुंचकर सरकार का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचने की कोशिश की है।

भावनगर के अस्पताल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग, नवजात मासूमों को बचाने में जुटे लोग

- रेस्क्यू का वीडियो आया सामने

अहमदाबाद। गुजरात के भावनगर शहर में एक अस्पताल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह हादसा बुधवार (3 दिसंबर) की सुबह करीब 9 बजे हुआ, जब इमारत से अचानक घना काला धुआं उठता नजर आया। जिस बिल्डिंग में आग लगी, उसमें करीब चार अस्पताल संचालित हो रहे थे और उस समय कई मरीज वहां भर्ती थे। इसी कॉम्प्लेक्स में बच्चों का एक अस्पताल भी है, जहां नवजात शिशुओं समेत करीब 20 बीमार बच्चे भर्ती थे। आग लगते ही वहां मौजूद लोगों ने तुरंत फायर डिपार्टमेंट और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, प्रशासन के मौके पर पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए बच्चों को बचाने के लिए रेस्क्यू शुरू कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोगों को मासूमों की जान बचाते देखा जा सकता है।

स्थानीय लोगों की समझदारी से सुरक्षित हुए बच्चे

अस्पताल कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर बच्चों का अस्पताल स्थित है, जहां कई मासूम भर्ती थे। इनमें कुछ बच्चे कुछ दिन पहले ही पैदा हुए थे, जबकि कुछ 8 से 10 साल की उम्र के थे। जैसे ही लोगों को इमारत में आग लगने की जानकारी मिली, वहां मौजूद अभिभावकों में अफरा-तफरी मच गई। बच्चों को सुरक्षित निकालने के लिए लोगों ने बिना वक्त गंवाए प्रयास शुरू कर दिए। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही बच्चों के रेस्क्यू की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों ने संभाल ली। कुछ लोगों ने सीढ़ियों के सहारे फर्स्ट फ्लोर तक पहुंचकर दो-तीन खिड़कियां तोड़ीं। इसके बाद चार-पांच लोग अंदर दाखिल हुए और एक-एक कर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने लगे। धुएं से बचाने के लिए बच्चों को चादरों में लपेटा गया और फिर नीचे उतारकर उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। यह दृश्य देखकर साफ तौर पर कहा जा सकता है कि समय पर दिखाई गई सतर्कता ने कई जिंदगियां बचा लीं।

एक घंटे में आग पर पाया गया काबू

आग लगने के बाद पूरे कॉम्प्लेक्स में धुआं भर गया था, जिसके कारण बच्चों के अलावा कई अन्य मरीज भी अस्पताल में फंसे हुए थे। इस बिल्डिंग में कई क्लीनिक और ऑफिस भी मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव कार्य में जुट गईं।

करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद फायर डिपार्टमेंट ने आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग लगने की वजह क्या थी। पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीमें आग के कारणों की जांच में जुटी हुई हैं।

मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली की उड़ानें प्रभावित, हैदराबाद एयरपोर्ट पर 1000 यात्री फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (शमशाबाद एयरपोर्ट) पर मंगलवार रात से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी के चलते अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। बुधवार (2 दिसंबर 2025) की रात शुरू हुई इस समस्या के कारण मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली जाने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। हालात ऐसे रहे कि करीब 1000 यात्री रातभर एयरपोर्ट टर्मिनल में फंसे रहे।

सबसे ज्यादा परेशानी बेंगलुरु जाने वाले यात्रियों को हुई। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे रवाना होने वाली फ्लाइट को रनवे पर ही लगभग दो घंटे तक रोका गया। लगातार देरी और किसी तरह की स्पष्ट जानकारी न मिलने से यात्रियों की चिंता बढ़ने लगी। हालात बिगड़ते देख आखिरकार यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और उन्हें एयरपोर्ट टर्मिनल में ही इंतजार करने को कहा गया। इस अव्यवस्था का सबसे ज्यादा असर उन यात्रियों पर पड़ा, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिंग फ्लाइट्स पकड़नी थीं या जो वीजा इंटरव्यू के लिए दूसरे शहरों की यात्रा पर जा रहे थे। कई यात्रियों का कहना है कि इंडिगो के कर्मचारी उनकी शिकायतों और सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, जिससे नाराजगी और तनाव और बढ़ गया।

यात्रियों ने बताई पीड़ा

एयरपोर्ट पर फंसे एक यात्री ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, "हमें बार-बार सिर्फ इंतजार करने को कहा जा रहा है। न तो यह बताया जा रहा है कि फ्लाइट कब उड़ान भरेगी और न ही सही वजह बताई जा रही है। खाने-पीने की कोई ठोस व्यवस्था भी नहीं की गई, जिससे हालात और मुश्किल हो गए हैं।"

इंडिगो एयरलाइंस का बयान

इंडिगो एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर बयान जारी करते हुए कहा, "कुछ तकनीकी समस्याओं की वजह से उड़ानों में देरी हुई है। हमारी टीमें इसे जल्द से जल्द ठीक करने में जुटी हुई हैं। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है और हम उन्हें हर संभव सहायता देने की कोशिश कर रहे हैं।"

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के लिए इस तरह की स्थिति चिंताजनक है। हाल के महीनों में इंडिगो को तकनीकी विश्वसनीयता को लेकर कई बार सवालों का सामना करना पड़ा है, और यह घटना उन चिंताओं को और गहरा करती है। वहीं, एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि वे हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं और प्रभावित यात्रियों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने यात्रियों से संयम बरतने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया है कि स्थिति को जल्द सामान्य कर लिया जाएगा।

देवेंद्र फडणवीस और संजय राउत की एक तस्वीर से सियासी हलचल

-क्या थी दोनों नेताओं के बीच बातचीत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में मंगलवार (2 दिसंबर) को हुए एक पारिवारिक समारोह के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत की मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में चर्चा को जन्म दे दिया। यह भेंट संजय राउत के समधी राजेश नार्वेकर के बेटे के विवाह समारोह में हुई, जहां दोनों नेताओं ने न सिर्फ एक-दूसरे का अभिवादन किया, बल्कि कुछ देर बातचीत भी की। राजेश नार्वेकर के बेटे की शादी में राजनीति और सामाजिक जगत से जुड़े कई बड़े चेहरे मौजूद थे। समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा नेता आशीष शेलार समेत कई वरिष्ठ नेता नजर आए। इसी दौरान संजय राउत और सीएम फडणवीस की मुलाकात हुई। हालांकि यह मुलाकात स्वाभाविक और निजी कार्यक्रम के दौरान हुई थी, लेकिन जैसे ही दोनों नेताओं की तस्वीरें सामने आईं, राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की अटकलें शुरू हो गईं।

फडणवीस ने पूछा संजय राउत की सेहत का हाल

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सबसे पहले संजय राउत की तबीयत के बारे में पूछा। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही संजय राउत ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी थी कि उन्हें एक गंभीर बीमारी का पता चला है। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें सख्त आराम करने और कुछ समय तक सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी थी। बीमारी को लेकर संजय राउत ने खुद कहा था कि वे कुछ समय के लिए सार्वजनिक जीवन से दूर रहेंगे। हालांकि स्वास्थ्य में अपेक्षा से तेजी से सुधार होने के बाद वे हाल के दिनों में सीमित कार्यक्रमों में नजर आने लगे हैं। विवाह समारोह में उनकी मौजूदगी भी इसी क्रम में देखी गई।

सियासत से अलग रही बातचीत

भले ही शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा के बीच राजनीतिक रिश्ते तल्ख रहे हों, लेकिन इस मुलाकात को शिष्टाचार तक ही सीमित माना जा रहा है। दोनों नेताओं की बातचीत राजनीति से हटकर स्वास्थ्य और सामान्य हालचाल तक रही। इसके बावजूद, मौजूदा सियासी माहौल में इस तरह की तस्वीरों का सामने आना स्वाभाविक रूप से चर्चा और अटकलों को हवा दे देता है। कुल मिलाकर, यह मुलाकात पूरी तरह एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान हुई साधारण शिष्टाचार भेंट रही, लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के माहौल में इसकी तस्वीरें सुर्खियों में आ गईं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जीन-एडिटिंग से कृषि क्रांति, बदलेगा किसानों का भविष्य

कृषि आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ नई तकनीक के सहारे किसानों की दशा और दिशा दोनों बदलने की पूरी संभावना नज़र आ रही है। लंबे समय से लागत, मौसम की मार, कीट और रोगों से जूझता किसान अब विज्ञान की मदद से एक नई उम्मीद की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में कृषि मंत्रालय के कटक स्थित राइस शोध संस्थान द्वारा विकसित लक्षित जीनोम-एडिटिंग प्रणाली, जिसे टीएनपी-बी नाम दिया गया है, को अंतरराष्ट्रीय पेटेंट का दर्जा मिलना इसी बदलाव का अहम संकेत है। यह उपलब्धि केवल धान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके ज़रिये भविष्य में लगभग सभी प्रमुख कृषि फसलों को मौसम के कुप्रभाव, खरपतवार और रोगों से सुरक्षित बनाया जा सकेगा। वैज्ञानिकों का दावा है कि इस नई जीन-एडिटिंग तकनीक से विकसित बीजों के इस्तेमाल से चावल के उत्पादन में लगभग 69 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी संभव है। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि आने वाले समय में उत्पादकता के क्षेत्र में कितनी बड़ी छलांग लगाई जा सकती है। बढ़ती आबादी, घटती कृषि भूमि और जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच यह तकनीक देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी बेहद महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। इन शोधों से उत्साहित होकर सरकार ने जीन-एडिटिंग के क्षेत्र में क्षमता निर्माण को तेज़ कर दिया है। पहले ही विदेश भेजे गए नौ कृषि वैज्ञानिकों के अलावा अब 20 और वैज्ञानिकों को ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, यूरोप और मैक्सिको जैसे देशों में उन्नत प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है। साथ ही अन्य फसलों पर शोध कर रहे करीब एक दर्जन वैज्ञानिक भी विदेशी संस्थानों में अध्ययन करेंगे, ताकि वैश्विक अनुभव और आधुनिक ज्ञान को देश की कृषि ज़रूरतों के अनुसार ढाला जा सके। यह जीन-एडिटिंग क्रांति अचानक नहीं आई है, बल्कि इसके पीछे एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव भी रहा है। सरकार ने जहां अब भी जीएम बीजों पर, बीटी कॉटन को छोड़कर, रोक बनाए रखी है, वहीं 2022 में कृषि उत्पादों में जीन-एडिटिंग पर लगी रोक को हटा दिया गया। इसी फैसले के बाद भारतीय वैज्ञानिकों को धान, गेहूं समेत डेढ़ दर्जन से अधिक अनाज, दलहन, तिलहन और गन्ने की किस्मों में जीन-एडिटिंग पर व्यापक शोध का अवसर मिला। जीएम और जीन-एडिटिंग के बीच का फर्क समझना भी ज़रूरी है। जीएम तकनीक में किसी दूसरे जीव या विदेशी नस्ल के जीन को पौधे के डीएनए में जोड़कर बदलाव किया जाता है, जबकि जीन-एडिटिंग में उसी पौधे के मौजूदा डीएनए में सूक्ष्म स्तर पर काट-छांट कर उसे बेहतर बनाया जाता है। इस वजह से इसे अपेक्षाकृत सुरक्षित और स्वाभाविक माना जाता है। सरकार को उम्मीद है कि इस क्षेत्र में पेटेंट मिलने और स्वदेशी तकनीक के विकास से भारत आने वाले वर्षों में तिलहन और दलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकेगा। इतना ही नहीं, बढ़ी हुई गुणवत्ता और पैदावार के दम पर भारत कृषि उत्पादों के बड़े निर्यातक के रूप में भी उभरेगा। कुल मिलाकर, नई तकनीक पर आधारित यह कृषि क्रांति न सिर्फ उत्पादन बढ़ाएगी।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट संकट में क्यों, लाल गेंद से दूरी, आचरण विवाद और घरेलू मैदान पर ऐतिहासिक हार के सवाल

-दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हार ने रणनीति, संस्कृति और खेल भावना पर गंभीर बहस छेड़ी

भारतीय क्रिकेट की हालिया पराजय ने सिर्फ़ एक टेस्ट सीरीज़ नहीं हारी है, बल्कि कई असहज सवाल भी खड़े कर दिए हैं—टीम की तैयारी, सोच, व्यवहार और उस क्रिकेट संस्कृति पर, जिसे हम कभी अपनी पहचान मानते थे। दक्षिण अफ्रीका के हाथों घरेलू ज़मीन पर मिली करारी शिकस्त ने खेल के तकनीकी पहलुओं से ज़्यादा उसके नैतिक और मानसिक पक्ष को उजागर किया है। अचरज की बात यह है कि हमारे टीवी समाचार चैनल—जो मामूली घटनाओं पर भी कल्पनाशील और रंग-बिरंगे हेडलाइन गढ़ लेते हैं—दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कोई चटपटा या सनसनीख़ेज़ शीर्षक नहीं ढूंढ पाए। शायद इसलिए, क्योंकि इस हार को किसी एक खिलाड़ी या एक घटना के सहारे नहीं समझाया जा सकता। यह हार हमारी क्रिकेट सोच के क्षरण की कहानी है।

मैदान पर भाषा, मर्यादा और माइक्रोफोन का सच

इस पूरी श्रृंखला के दौरान एक प्रसंग ने ज़्यादा ध्यान खींचा—जब भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह द्वारा दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बवुमा के लिए 'बौना' शब्द का इस्तेमाल किया गया। यह टिप्पणी डीआरएस पर हो रही चर्चा के दौरान स्टम्प माइक्रोफोन में कैद हो गई। आज के दौर में यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि मैदान पर कही गई हर बात रिकॉर्ड हो रही है। स्टम्प माइक्रोफोन, ब्रॉडकास्ट कैमरे और सोशल मीडिया—तीनों मिलकर खिलाड़ी को कहीं भी छूट नहीं देते। इसके बावजूद अपशब्दों और व्यक्तिगत टिप्पणियों का बढ़ता चलन परेशान करता है। यह सही है कि क्रिकेट मैदान हमेशा 'जेंटलमैन गेम' जैसा सौम्य नहीं रहा है। स्लेजिंग इसका हिस्सा रही है। लेकिन स्लेजिंग और अपमान में फ़र्क़ है। किसी खिलाड़ी के शारीरिक कद को निशाना बनाना न सिर्फ़ अशालीन है, बल्कि उस खेल भावना के विरुद्ध भी है, जिस पर क्रिकेट गर्व करता रहा है।

कद नहीं, क़द□रिता बनाता है खिलाड़ी को

तेम्बा बवुमा का कद लगभग 5 फुट 4 इंच है। लेकिन क्रिकेट में किसी खिलाड़ी का मूल्य उसके कद से नहीं, उसके खेल से तय होता है। अगर कद ही निर्णायक होता, तो सुनील गावस्कर, गुंडप्पा विश्वनाथ या सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी इतिहास में 'महान' नहीं कहलाते। दक्षिण अफ्रीका के संदर्भ में बवुमा को 'लिटिल मास्टर' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। वे उस देश के पहले अश्वेत टेस्ट कप्तान हैं—एक ऐसे देश में, जहाँ नस्लीय भेदभाव की लकीरें खेल के मैदानों पर भी गहराई से खिंची रही हैं। बवुमा का कप्तान बनना सिर्फ़ खेल की उपलब्धि नहीं, सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक भी है।

संकट में कप्तान, कप्तान में साहस

पहले टेस्ट की दूसरी पारी में जब दक्षिण अफ्रीकी टीम लड़खड़ा चुकी थी, तब बवुमा ने 55 रन की पारी खेली। आंकड़ों में यह स्कोर साधारण लग सकता है, लेकिन मैच के सन्दर्भ में यही पारी निर्णायक साबित हुई। उस टेस्ट में किसी भी खिलाड़ी का यह सर्वोच्च स्कोर था। यह वही क्षण था, जिसने मैच की दिशा मोड़ दी। भारत, जो खुद को घरेलू टेस्ट क्रिकेट का अभेद्य क़िला मानता रहा है, वही भारत 408 रन की ऐतिहासिक हार झेलने को विवश हुआ। फिर सीरीज़ 2-0 से हाथ से निकल गई। यह सिर्फ़ हार नहीं थी, यह चेतावनी थी।

जब शब्द टीमों को एकजुट कर देते हैं

क्रिकेट इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब अनजाने में कहे गए शब्दों ने विपक्षी टीम को और मज़बूत कर दिया। 1976 में इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज़ के कप्तान टोनी ग्रेग के बयान को ही लें। उन्होंने कहा था कि वे कैरेबियाई खिलाड़ियों को 'grovel' करवाएंगे। ग्रेग खुद दक्षिण अफ्रीका में जन्मे थे और वह दौर रंगभेद का था। भले ही उन्होंने नस्लीय भाव से यह टिप्पणी न की हो, लेकिन उसे उसी रूप में लिया गया। नतीजा—वेस्टइंडीज़ ने इंग्लैंड को उसी की धरती पर 3-0 से रौंद दिया। शब्द कभी-कभी बल्ले और गेंद से ज़्यादा ताक़तवर होते हैं।

बवुमा का बयान और 'उम्मीद' का अर्थ

गुवाहाटी में मैच से पहले प्रेस वार्ता में बवुमा ने स्वीकार किया कि इस सीरीज़ में कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने सीमा लांघी है। यह बयान संयमित था, लेकिन अपने भीतर गहरी पीड़ा समेटे हुए। 2023 में दिया गया उनका पुराना बयान भी फिर से सामने आया—"मुझे कई गालियां दी जा चुकी हैं। कुछ गालियां दुःखी करती हैं... लेकिन मुझे अपने जीवन में सबसे ज्यादा तेम्बा नाम से ही पुकारा गया है। मेरी दादी ने मेरा यह नाम रखा था, क्योंकि इसका अर्थ है—उम्मीद। हमारे समुदाय के लिए उम्मीद, अपने देश के लिए उम्मीद।" यह सिर्फ़ एक खिलाड़ी की कहानी नहीं, बल्कि एक समाज की आकांक्षा है।

भारतीय क्रिकेट का असली संकट: लाल गेंद से दूरी

इस पूरी बहस के बीच सबसे बड़ा सवाल कहीं पीछे छूट गया है—हमने लाल गेंद के क्रिकेट से नज़रें क्यों फेर ली हैं? आईपीएल, T20 और सफ़ेद गेंद के रोमांच ने भारतीय क्रिकेट की प्राथमिकताओं को बदल दिया है। टेस्ट क्रिकेट अब न तो दर्शकों का पहला प्यार रहा है, न ही बोर्ड की प्राथमिकता। घरेलू संरचना कमजोर हुई है। पिचें या तो बहुत सपाट हैं या असामान्य रूप से असंतुलित। रणजी ट्रॉफी अब चयन की रीढ़ नहीं रही। नतीजा—हमारे बल्लेबाज़ सीम और स्विंग के सामने विदेशों में भी और घर में भी जूझते दिख रहे हैं। विरोधाभास यह है कि भारतीय टीम बाहर की परिस्थितियों में ज़्यादा अनुशासित और केंद्रित दिखती है, जबकि घर पर आत्मतुष्टि हावी रहती है।

रिश्ते, सम्मान और क्रिकेट का भविष्य

इन सबके बावजूद भारत और दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट संबंध ऐतिहासिक रूप से मधुर रहे हैं। आईपीएल इसका जीवंत उदाहरण है। आने वाले सीज़न में कई दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी भारतीय फ्रेंचाइज़ियों के लिए खेलते नज़र आएंगे। एबी डिविलियर्स भारतीय दर्शकों के चहेते रहे हैं। 2015 में दिल्ली के फिरोज़शाह कोटला में जब दक्षिण अफ्रीका ने भारत को हराया था, तब सबसे ज़्यादा तालियां किसी भारतीय नहीं, बल्कि 'एबीडी' के लिए बजी थीं। मैं उस मैच में मौजूद था—और वह दृश्य आज भी याद है। क्रिकेट सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा नहीं, सम्मान भी सिखाता है।

जीत से बड़ी खेल भावना

उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों टीमें और उनके बोर्ड इस सीरीज़ की कड़वाहट को पीछे छोड़ेंगे। क्रिकेट तब ही लाभकारी है, जब वह प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान भी बनाए रखे। हार-जीत खेल का हिस्सा है। लेकिन भाषा, दृष्टि और दृष्टिकोण—यह तय करते हैं कि हम खेल से क्या सीखते हैं। शायद अब वक्त आ गया है कि हम फिर से लाल गेंद की ओर लौटें, क्रिकेट को धैर्य से देखें और मैदान पर शब्दों की ज़िम्मेदारी को भी उतनी ही गंभीरता से लें, जितनी गेंद और बल्ले की। भारतीय क्रिकेट के हालिया घटनाक्रम ने खेल के तकनीकी पक्ष से अधिक उसके चरित्र और सोच पर सवाल खड़े किए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली करारी हार ने यह साफ कर दिया है कि टीम इंडिया की टेस्ट तैयारियों में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। आश्चर्य की बात यह है कि विदेशी दौरों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम अपने ही घर में लय और आत्मविश्वास के अभाव में दिखी। इस सीरीज के दौरान मैदान पर भाषा की मर्यादा को लेकर उठा विवाद भी चिंता का विषय बना। क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का खेल है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियां और अपशब्द खेल भावना को कमजोर करते हैं। आधुनिक तकनीक के दौर में, जब हर शब्द रिकॉर्ड हो रहा है, खिलाड़ियों से और अधिक संयम की अपेक्षा की जाती है। साथ ही, यह हार उस बड़े संकट की ओर भी इशारा करती है, जिसमें भारतीय टेस्ट क्रिकेट फंसता दिख रहा है। सीमित ओवरों की लोकप्रियता और आईपीएल के विस्तार ने 'लाल गेंद' के महत्व को पीछे धकेल दिया है। परिणामस्वरूप घरेलू ढांचा, पिचों की प्रकृति और बल्लेबाजों की तकनीक प्रभावित हुई है।

एसआईआर के बहाने बंगाल की सियासत में तेज हुआ डर, अस्मिता और भावनाओं का टकराव, 2026 चुनाव की दिशा तय होती हुई

-चुनाव आयोग से टकराव, भाजपा की रणनीति और ममता की भावनात्मक राजनीति फिर निर्णायक मोड़ पर

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां विकास, रोजगार, उद्योग और प्रशासन जैसे बुनियादी सवालों से ज़्यादा डर, पहचान और भावनाओं का शोर सुनाई दे रहा है। इस बार केंद्र में है एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन), जिसे आधिकारिक तौर पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया बताया जा रहा है, लेकिन राजनीति में यह एक बेहद संवेदनशील और विस्फोटक मुद्दा बन चुका है। खासतौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इसे अपनी राजनीतिक लड़ाई का नया हथियार बना लिया है। सवाल यही है कि क्या ममता इस मुद्दे के सहारे 2026 के विधानसभा चुनावों में चौथी बार सत्ता में लौट पाएंगी, या फिर यह भावनात्मक राजनीति इस बार उलटी भी पड़ सकती है।

बंगाल की सियासत और भावनाओं की जड़ें

पश्चिम बंगाल सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान है। यहां की राजनीति ऐतिहासिक रूप से विचारधाराओं, आंदोलनों और भावनात्मक मुद्दों से संचालित होती रही है। वाम मोर्चा के लंबे शासन से लेकर ममता बनर्जी के उदय तक, हर दौर में सत्ता वही पाता रहा, जिसने जनता की भावनाओं को सबसे बेहतर तरीके से समझा और संबोधित किया। बंगाल में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भाषा, साहित्य, परंपरा और क्षेत्रीय अस्मिता इतनी गहराई से लोगों के मन में बैठी है कि कई बार ये रोज़गार, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर भी भारी पड़ जाती है। ममता बनर्जी इस मनोविज्ञान को भली-भांति समझती हैं और यही उनके राजनीतिक कौशल की सबसे बड़ी ताक़त रही है।

2016 और 2021: भावनात्मक राजनीति की सफलता

2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने जिस तरह से मोदी लहर का सामना किया, वह भारतीय राजनीति के लिए एक अध्ययन का विषय है। उन्होंने खुद को एक ऐसी नेता के रूप में पेश किया, जो "दिल्ली की सत्ता" के सामने बंगाल की बेटी बनकर खड़ी है। बीजेपी को उन्होंने "बाहरियों की पार्टी" बताया—ऐसी पार्टी जिसे न तो बंगाल के इतिहास की समझ है, न ही उसकी संस्कृति के प्रति कोई लगाव। "खेले होबे" जैसे नारे सिर्फ चुनावी नारे नहीं थे, बल्कि बंगाल की अस्मिता की घोषणा थे। उस दौर में यह रणनीति बेहद असरदार साबित हुई और ममता ने भारी बहुमत से सत्ता बरकरार रखी।

एसआईआर: एक प्रशासनिक प्रक्रिया या राजनीतिक हथियार?

अब वही ममता बनर्जी तीसरी बार भावनाओं के इसी रास्ते पर उतरती नजर आ रही हैं, लेकिन इस बार मुद्दा थोड़ा अलग और ज्यादा संवेदनशील है। एसआईआर, यानी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण, तकनीकी तौर पर एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका मकसद फर्जी, दोहरे या अवैध नामों को हटाना बताया जाता है। लेकिन बंगाल जैसे सीमा से सटे राज्य में, जहां घुसपैठ, नागरिकता और पहचान पहले से ही सियासी बहस का हिस्सा रहे हैं, यह प्रक्रिया तुरंत राजनीतिक रंग ले लेती है। ममता बनर्जी को डर है कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में गरीब, अल्पसंख्यक और हाशिये पर खड़े लोग मतदाता सूची से बाहर कर दिए जाएंगे—और यही वर्ग टीएमसी का कोर वोट बैंक माना जाता है।

चुनाव आयोग से टकराव: रणनीति का हिस्सा?

पिछले हफ्ते दिल्ली में चुनाव आयोग के साथ टीएमसी प्रतिनिधिमंडल की तीखी बहस ने साफ कर दिया कि पार्टी इस मुद्दे को कितनी आक्रामक तरीके से उठाने वाली है। प्रतिनिधिमंडल की ओर से पूछा गया सवाल—"एसआईआर का मकसद मतदाता सूची का शुद्धिकरण है या बंगालियों को इससे बाहर करना?" यह सवाल सिर्फ प्रशासनिक नहीं था, बल्कि सीधे तौर पर अस्मिता और पहचान की राजनीति को छूता था। ममता बनर्जी और टीएमसी ने एसआईआर के दौरान हुई कथित मौतों को भी इस बहस का हिस्सा बना दिया। पार्टी का दावा है कि बेवजह के तनाव, दबाव और प्रशासनिक सख़्ती के चलते लगभग 40 लोगों की मौत हुई। चाहे यह आंकड़ा विवादास्पद हो, लेकिन राजनीति में तथ्यों से ज्यादा भावना और नैरेटिव मायने रखते हैं—और टीएमसी इसी नैरेटिव को मजबूत करने में जुटी है।

आयोग और भाजपा की प्रतिक्रिया

चुनाव आयोग ने टीएमसी के दावों को सख्ती से खारिज करते हुए न सिर्फ उन्हें बेबुनियाद बताया, बल्कि यह भी संकेत दिया कि पार्टी माहौल को जानबूझकर तनावपूर्ण बना रही है। आयोग ने टीएमसी को चेताया कि वह एसआईआर में दखल न दे और बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर्स) को प्रभावित या धमकाने की कोशिश न करे।

वहीं भाजपा नेताओं ने टीएमसी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वह अवैध घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को बचाने के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रही है। सोशल मीडिया पर भाजपा समर्थकों का यह दावा जोर पकड़ने लगा कि टीएमसी के स्थानीय कार्यकर्ता बीएलओ को धमका रहे हैं।

डर बनाम डर: दो ध्रुवों की राजनीति

इस पूरे घटनाक्रम ने बंगाल की राजनीति को एक दिलचस्प लेकिन खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। यहां दो तरह के डर आमने-सामने हैं। भाजपा घुसपैठियों, अवैध नागरिकों और राष्ट्रीय सुरक्षा का डर दिखा रही है। ममता बनर्जी पहचान, अस्मिता और अधिकार छिनने का डर सामने रख रही हैं। दोनों ही डर असली मुद्दों से ध्यान हटाने में कारगर हैं। जब चुनावी बहस डर के इर्द-गिर्द घूमने लगे, तो स्वाभाविक है कि बेरोज़गारी, उद्योगों की कमी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा और भ्रष्टाचार जैसे सवाल हाशिये पर चले जाते हैं।

ममता की चिंता और भाजपा का "अघोषित सहयोग"

ममता बनर्जी की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगर सच में बड़ी संख्या में नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो उसका सीधा असर टीएमसी के वोट बेस पर पड़ेगा। उन्होंने पहले ही दावा किया है कि भाजपा एक करोड़ वोटरों के नाम कटवाने की साजिश रच रही है।

300 के पार एक्यूआई का संकट: शहरी विकास, बढ़ते वाहन और लापरवाही से बच्चों की सांसों पर मंडराता ज़हरीला खतरा

-वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य, पर्यावरण और भविष्य को संकट में डाल दिया है

कैसी हवा, कैसा पानी हम अपने बच्चों के लिए छोड़कर जाएंगे? यह सवाल आज केवल भावनात्मक नहीं रहा, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर और चिंताजनक प्रश्न बन चुका है। हवा, जिसे हमने 'प्राण-वायु' कहा, जिसे जीवन का आधार माना, वही आज सबसे बड़ी चुनौती बनकर हमारे सामने खड़ी है। दुनिया में हवा को लेकर हम कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा हाल ही में अक्टूबर 2025 में जारी हुई एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची प्रकाशित की गई, जिसमें भारत के ही 40 शहर शामिल हैं। यह आंकड़ा केवल एक सूची नहीं, बल्कि हमारे विकास मॉडल पर एक बड़ा सवाल है।

इस भयावह स्थिति के दो प्रमुख कारण स्पष्ट रूप से सामने आते हैं। पहला, शहरों में तेज़ी से बढ़ती आवाजाही और गाड़ियों की संख्या, और दूसरा, निरंतर चल रहे ढांचागत विकास के कार्य। सड़कें, फ्लाईओवर, मेट्रो, ऊंची इमारतें—सब विकास के प्रतीक समझे जाते हैं, लेकिन इनके साथ उड़ती धूल, बढ़ता ट्रैफिक और ईंधन का अंधाधुंध इस्तेमाल वायु प्रदूषण में भारी योगदान दे रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि विकास हो या न हो, सवाल यह है कि विकास किस कीमत पर? प्राण-वायु के प्रति यह लापरवाही आने वाले समय में एक बड़े संकट का रूप लेने वाली है। यह कितनी विडंबनापूर्ण बात है कि मनुष्य ने अपनी ही ज़मीन को अपने पैरों तले से खिसका दिया है। जंगल कट चुके हैं, ज़मीन का अंधाधुंध दोहन हुआ है, नदियां प्रदूषित हो चुकी हैं और अब हवा भी ज़हर बनती जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा और डरावना पहलू यह है कि जिस हवा के बिना एक पल भी जीवन संभव नहीं, उसके लिए हमने समय रहते गंभीरता से नहीं सोचा। आज अगर हम अपने देश की तस्वीर आसमान से देखें तो वह साफ़ नहीं, बल्कि धुंधली दिखाई देगी। यह धुंध केवल मौसम का असर नहीं, बल्कि वायु प्रदूषण का दर्पण है। यह धुंध भविष्य में 'विकास' के नाम पर हमारे माथे पर लगने वाला एक स्थायी दाग भी बन सकती है। शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण के पीछे सबसे बड़ा कारण गाड़ियों की बढ़ती संख्या और लगातार बढ़ता ट्रैफिक जाम है। ये वाहन केवल सड़कों पर नहीं दौड़ रहे, बल्कि शहरों का दम घोट रहे हैं।

जब किसी शहर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 300 से ऊपर पहुंच जाता है, तो यह सीधा-सीधा बड़े खतरे का संकेत होता है। इसका मतलब है कि हम सुरक्षित सीमा से बहुत आगे निकल चुके हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे देश के कई शहर इस खतरे की रेखा को पार कर चुके हैं। दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, पटना, गाजियाबाद जैसे शहरों में यह स्थिति अब सामान्य होती जा रही है, जबकि वास्तव में यह 'असामान्य आपदा' है। वायु प्रदूषण की गंभीरता को समझने के लिए पार्टिकुलेट मैटर (PM) की भूमिका पर ध्यान देना जरूरी है। पीएम 2.5 और पीएम 10 ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो आंखों से दिखाई नहीं देते, लेकिन फेफड़ों के भीतर गहराई तक पहुंच जाते हैं। यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी के अनुसार ये कण अत्यंत घातक होते हैं और किसी भी देश या शहर के एक्यूआई की गंभीरता तय करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे देश में भी यह इंडेक्स नियमित रूप से मापा जाता है, लेकिन सवाल यह है कि इन आंकड़ों का हम करते क्या हैं? जब इन पर आधारित ठोस और कठोर निर्णय ही नहीं लिए जाते, तो केवल इंडेक्स बनाने से क्या हासिल होता है? अगर हम वायु प्रदूषण से होने वाले कष्टों को गहराई से समझें, तो शायद स्थिति की भयावहता और स्पष्ट हो जाए। प्रदूषित हवा में नाइट्रोजन डायऑक्साइड, सल्फर डायऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया जैसे घातक तत्व शामिल होते हैं। ये तत्व शरीर में प्रवेश करके गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। हर क्षण हम सांस लेते हैं, यानी हर पल यह ज़हरीली हवा हमारे फेफड़ों में जा रही है। यह स्थिति फेफड़ों में सिस्टेमिक इंफ्लेमेशन पैदा कर सकती है और कार्सिनोजेनिसिटी, यानी कैंसर पैदा करने की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकती है। जो लोग पहले से ही किसी बीमारी से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह हवा और भी खतरनाक साबित होती है। अस्थमा, दिल की बीमारी, एलर्जी, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए प्रदूषित हवा जानलेवा बन सकती है। अब तो कई गंभीर बीमारियों—जैसे स्ट्रोक, डायबिटीज, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD) और लंग कैंसर—का सीधा संबंध वायु प्रदूषण से जोड़ा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठनों के अनुमान बताते हैं कि हर साल दुनिया में करीब 40 से 50 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण असमय मौत का शिकार हो जाते हैं। यह संख्या किसी बड़े युद्ध या महामारी से कम नहीं है।

सबसे चिंताजनक स्थिति बच्चों और बुजुर्गों की है। बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होते, इसलिए प्रदूषित हवा का असर उन पर कहीं ज्यादा गहरा और स्थायी होता है। पढ़ाई के साथ-साथ उनका शारीरिक और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। बुजुर्गों में यह प्रदूषण पहले से मौजूद बीमारियों को तेजी से बढ़ा देता है। गर्भवती महिलाओं में प्रदूषित हवा गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य तक को नुकसान पहुंचा सकती है। वायु प्रदूषण केवल स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं है, यह सामाजिक और आर्थिक संकट भी है। बीमारियां बढ़ेंगी, तो इलाज का खर्च बढ़ेगा। लोगों की कार्यक्षमता घटेगी, उत्पादकता कम होगी और स्वास्थ्य तंत्र पर बोझ बढ़ेगा। ऐसे में विकास की वह तस्वीर, जिस पर हम गर्व करते हैं, अंदर से खोखली होने लगेगी। यह कहना आसान है कि सरकारें कदम उठाएं, नीतियां बनाएं, लेकिन सच यह है कि इस लड़ाई में समाज का हर व्यक्ति जिम्मेदार है। सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है—स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, उद्योगों पर सख्त नियम लागू करना, निर्माण कार्यों में धूल नियंत्रण के उपाय करना—ये सब जरूरी हैं। लेकिन इसके साथ-साथ हमें अपनी व्यक्तिगत आदतों पर भी सवाल उठाने होंगे। क्या हर छोटी दूरी के लिए गाड़ी जरूरी है? क्या हम सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का इस्तेमाल नहीं कर सकते? क्या हम पेड़ लगाने और उन्हें बचाने के लिए गंभीर हैं? विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना सही नहीं है।

हमारी सरकार दिव्यांगों को सशक्त करने के लिए संकल्पित- भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों तथा संस्थाओं को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज खेल जगत से लेकर शिक्षा, विज्ञान, संगीत, कला और तकनीक सहित हर क्षेत्र में दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा साबित की है। इन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हम अपने आस-पास रह रहे दिव्यांगजनों की प्रतिभा को पहचानते हुए इनका पूरा सहयोग करें जिससे इनकी विशेष योग्यता का लाभ समाज को मिल सके तथा एक समावेशी समाज का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि राजस्थान दिव्यांगजनों के लिए सबसे सुगम्य और संवेदनशील राज्य बने। शर्मा बुधवार को हरीश चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान (ओटीएस) में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सम्मानित होने वाले विशेष योग्यजनों एवं संस्थानों को बधाई देते हुए कहा कि इससे विशेष योग्यजनों को सशक्त बनाने के संकल्प को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1992 में हर वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाने की घोषणा की थी जिससे दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा, समान अवसर तथा समाज में समावेशी सोच का प्रसार हो।

विशेष योग्यजन की सफलता की कहानियां हम सभी के लिए प्रेरणा—

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष योग्यजन अपने भीतर विशेष योग्यता रखते हैं। ये अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दृढ़संकल्प और मेहनत से हर सीमा को पार करने का साहस रखते हैं। इनमें वह हुनर और जज्बा होता है जो किसी सामान्य व्यक्ति में मुश्किल से मिलता है। उन्होंने कहा कि पैरालम्पिक में हमारे खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश को जो सम्मान दिलाया है, वह उनकी ऊर्जा और क्षमता का प्रमाण है। इनकी सफलता की कहानियां हम सभी को प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री के सुगम्य भारत अभियान पहल से दिव्यांगजन हुए सशक्त—

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा देश में एक ऐसे समावेशी समाज की स्थापना करना है जिसमें किसी व्यक्ति की शारीरिक चुनौतियां उसकी राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए बाधा न बन सकें। उन्होंने अपनी इसी सोच के साथ सुगम्य भारत अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल की है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिनियम के माध्यम से विकलांगता की परिभाषा को सात श्रेणियों से बढ़ाकर 21 श्रेणियों तक किया है। इसमें एसिड अटैक सरवाइवर को भी शामिल किया गया है। यह कानून दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने एवं सामाजिक धारणाओं को बदलने में मददगार साबित हो रहा है।

दिव्यांगजन हमारे समाज की अमूल्य निधि—

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज की अमूल्य निधि है। इनके कल्याण के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विशेष योग्यजन के लिए मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, स्मार्टफोन, व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, पेंशन इत्यादि से जुड़ी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हमने विद्यार्थियों एवं स्वरोजगार करने वाले दिव्यांगजनों को गत वर्ष 2 हजार स्कूटी वितरित की हैं तथा इस वर्ष दिव्यांगजनों को ढाई हजार स्कूटी वितरित की जा रही है। साथ ही, दिव्यांगजनों के लिए प्रदेशभर में विभिन्न क्लस्टर बनाए गए हैं।

विशेष योग्यजनों का मैस भत्ता बढ़कर हुआ 3 हजार 250 रूपये—

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल दिव्यांगजनों को 15 हजार अंग उपकरण वितरित किए थे और इस वर्ष 1 लाख अंग वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी जैसी दुर्लभ बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए राज्य में पहली बार इलेक्ट्रिक पावर्ड व्हील चेयर का वितरण किया जा रहा है। साथ ही, विशेष योग्यजनों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का इस वर्ष से मैस भत्ता 2 हजार 500 से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति आवासीय कर दिया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, विधिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण एवं प्रमाणीकरण करवाकर यूनिक डिसेबिलिटी पहचान पत्र जारी करने में राजस्थान देशभर में अग्रणी राज्यों में शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने विशेष योग्यजनों को स्मार्टफोन, श्रवण यंत्र एवं स्मार्ट केन भी वितरित किए। इससे पूर्व उन्होंने दिव्यांगजन द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को स्कूटी वितरण एवं अंग उपकरण भी वितरित किए।

पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित

-जिला कलेक्ट्रेट सभागार में उठा पशुक्रूरता का मामला
-जिला कलेक्टर ने पुलिस व वन-विभाग को दिए सख्त निर्देश

जयपुर/चौमू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में पशुक्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गौ रक्षक दल के अध्यक्ष और समिति के सदस्य शेरसिंह कुमावत ने बताया कि चोमू रेंज के हाड़ोता स्थित वनविभाग कार्यालय पर घायल अवस्था में रेस्क्यू कर लाए गए वन्यजीवों के लिए समुचित इलाज व चारे-पानी की उपलब्धता नहीं होना और श्वानो से सुरक्षा हेतु पुख्ता इंतजामों का अभाव कार्यरत कार्मिकों के द्वारा अनदेखी करना वन्य-जीवों की हत्या की मौन स्वीकृती जैसे हालात बना रखे हैं । वहीं जिले के सामोद थाना क्षेत्र के विगत पशुक्रूरता के मुकदमा नंबर 221/2024 व 16/2025 मैं दर्जनों नंदियो तेजाब से जला देने के मामलों को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा गंभीरता से नहीं लेने और समाजकंटको पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं करने पर नाराजगी जताई और बताया कि पुलिस की इसी तरह की कार्यशैली से समाजकंटको के हौसले बुलंद है। जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना ने नगर निगम द्वारा संचालित ए.बी.सी. प्रोग्राम ए. डब्लयू. बी. आई. से रजिस्टर्ड है या नहीं यदि हां तो रजिस्ट्रेशन की प्रति उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। ए.बी.सी. प्रोग्राम के प्रभावी क्रियान्वयन से आवारा श्वानो की संख्या में कमी आएगी जिससे रेबीज पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। सदस्यों की शिकायत व सुझावों पर संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुकेश कुमार मूंड ने संबंधित विभागों को सख्त कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। इस दौरान पशुपालन विभाग के संयुक्तनिदेशक डॉ. हनुमान सहाय मीणा, पुलिस प्रशासन, वन विभाग, नगर निगम के अधिकारियों सहित समिति के सदस्य नम्रता सक्सेना, लोकेश डेनवाल, विजय कुमावत उपस्थित रहे।

वक़्फ़ संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज करवाने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने और समय सीमा बढ़ाने हेतु दिया ज्ञापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बुधवार 03 दिसंबर 2025 को ऑल इंडिया मुस्लिम वक़्फ़ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर कार्यालय, जयपुर में ADM-I श्रीमती विनिता सिंह को एक ज्ञापन वक़्फ़ संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया और UMEED पोर्टल के सुचारू रूप से कार्य न करने से उत्पन्न कठिनाइयों को लेकर दिया गया। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि पूरे देश में वक़्फ़ संपत्तियों के ऑनलाइन पंजीकरण का काम चल रहा है, लेकिन पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों और सीमित समय सीमा के कारण निर्धारित अवधि में यह काम पूरा करना संभव नहीं है। ज्ञापन के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री तक यह अनुरोध

पहुँचाने का आग्रह किया गया कि वक़्फ़ संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज करने की समय सीमा बढ़ाई जाए और पोर्टल को स्थिर तथा उपयोगी बनाया जाए। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीस कुरैशी, प्रदेश अध्यक्ष जफ़र मिर्ज़ा, प्रदेश महासचिव एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर मुख्य सलाहकार मोइनुद्दीन नारू, उपाध्यक्ष अफ़ताब हिंदुस्तानी, वाहिद यसरानी, जुनैद अख़्तर, ताजू ख़ान, इलियास शेख, शबाब खान, मोहम्मद हुसैन, मोहम्मद शाहिद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। AIMWSSB ने उम्मीद जताई कि सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर जल्द कदम उठाएगी और वक़्फ़ संपत्तियों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

जयपुर के भविष्य के लिए 'कंप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान' (CMP) का ड्राफ्ट प्रस्तुत

-2055 तक की यातायात आवश्यकताओं का रखा गया रोडमैप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में बुधवार को जेडीए के मंथन सभागार में जयपुर विकास आयुक्त की उपस्थिति में राइट्स लिमिटेड (RITES) द्वारा "कंप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान" (CMP) के ड्राफ्ट का प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में जेडीए सचिव, नगर निगम जयपुर आयुक्त, निदेशक (अभियांत्रिकी/वित्त/नगर नियोजन) और अन्य विभागों/जेडीए के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। इस प्लान का मुख्य उद्देश्य जयपुर के लिए एक दीर्घकालिक विजन तैयार करना है, जो कम कार्बन उत्सर्जन (Low Carbon Mobility) और समावेशी विकास पर केंद्रित हो। वर्तमान में जयपुर में पंजीकृत वाहनों की संख्या लगभग 35.9 लाख हो चुकी है और सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह ड्राफ्ट प्लान तैयार किया गया है। ड्राफ्ट प्लान में जयपुर मेट्रो के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। इसमें फेज-2 (प्रह्लादपुरा से टोडी मोड़) के साथ-साथ भविष्य के लिए फेज-3 और फेज-4 का प्रस्ताव शामिल है। वर्ष 2055 तक कुल 129.55 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। शहर में कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए 245 किलोमीटर का नया बस रूट नेटवर्क प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, विभाग में बसों की संख्या बढ़ाकर 4050 करने और मेट्रो व मुख्य मार्गों के लिए 214 किलोमीटर का फीडर रूट नेटवर्क तैयार करने का सुझाव दिया गया है। शहर के प्रमुख ट्रैफिक जंक्शनों पर जाम से मुक्ति दिलाने के लिए 25 स्थानों पर ग्रेड सेपरेटर (फ्लाईओवर/अंडरपास) प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें प्रमुख रूप से ओटीएस सर्किल (OTS Circle) से जवाहर सर्किल तक एलिवेटेड रोड, टोडी मोड़, और विजय द्वार शामिल हैं। साथ ही, रेलवे क्रॉसिंग पर 10 नए आरओबी/आरयूबी (ROB/RUB) बनाने का प्रस्ताव है। भारी वाहनों और फ्रेट ट्रैफिक को शहर के मुख्य मार्गों से अलग करने के लिए 'उत्तरी रिंग रोड' (Northern Ring Road) और नए फ्रेट टर्मिनल्स के विकास को प्राथमिकता दी गई है। योजना में नॉन-मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट (NMT) को बढ़ावा देने के लिए फुटपाथ नेटवर्क, साइकिल ट्रैक और मेट्रो स्टेशनों पर 'पब्लिक ई-बाइक शेयरिंग' (Public E-Bike Sharing) सिस्टम शुरू करने का प्रस्ताव है। परकोटे और प्रमुख बाजारों में 'नो पार्किंग जोन' और 'ऑन-स्ट्रीट पेड पार्किंग' की व्यवस्था के साथ-साथ रेलवे स्टेशन और अन्य स्थानों पर मल्टी-लेवल कार पार्किंग (MLCP) का सुझाव दिया गया है। यातायात प्रबंधन में विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए मौजूदा ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड को अपग्रेड कर 'यूनिफाइड मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी' (UMTA) के रूप में गठित करने का महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी इस प्लान का हिस्सा है। राइट्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत इस ड्राफ्ट प्लान पर आज की बैठक में विस्तृत चर्चा की गई।

शहर को गन्दा करने वाले दोषी व्यक्तियों पर नगर निगम लगातार कर रहा है कारवाई

-आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आदर्श नगर जोन की सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम की टीमें सतत् प्रयासरत हैं तथा शहर को गंदा करने वाले दोषी व्यक्तियों पर लगातार कारवाई कर रही हैं। धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर जहां टूटे, क्षतिग्रस्त डस्टबिन थे उन पर 100 से अधिक नये डस्टबिन लगाये गये है। अब तक कुल 270 GVP (Garbage Vulnerable Points) को पूरी तरह से हटाकर ब्यूटीफिकेशन का कार्य किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने मंगलवार को आदर्श नगर जोन की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आयुक्त ने पैदल दौरा कर अंदर की गलियों की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़कों पर टूटे हुये डस्टबिन एवं गमले देखकर नाराजगी जाहिर की तथा संबंधित जोन उपायुक्त को उन्हें बदलवाने के निर्देश दिये साथ ही डिवाइडर पर लिटिरपिकिंक करने एवं ग्रीन वेल्ट की साफ-सफाई के निर्देश दिये साथ ही निराश्रित पशुओं को उठवाकर हिंगौनिया गौशाला में भिजवाने के निर्देश दिये। इस दौरान आदर्श नगर जोन उपायुक्त, अधिशाषी अभियन्ता, सीएसआई मौजूद रहे।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि 10 नवंबर 2025 से अब तक तक खुले में कचरा फेंकने, सीएनडी वेस्ट डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों, कचरा जलाने वालों सहित स्वच्छता के विभिन्न मापदण्डों का उल्लंघन करने वाले दोषी व्यक्तियों पर नगर निगम की टीमों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत स्वच्छता के विभिन्न मापदण्डों का उल्लंघन करने पर 10 नवंबर 2025 से अब तक लगभग कुल 6 लाख 55 हजार रूपये वसूल किये जा चुके है।

उन्होनें बताया कि शहर की स्वच्छता हमारे लिए प्राथमिकता है, यदि कोई भी व्यक्ति शहर को गन्दा करता है, खुले में कचरा फैंकता है, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करता है स्वच्छता के मापदण्डों का उल्लघंन करता है तो दोषी व्यक्ति से कैरिंग चार्ज वसूल किया जायेगा। नगर निगम की टीमें लगातार सफाई कार्य में जुटी है शहर को स्वच्छ रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

नगर निगम की सख्त कार्रवाईः-

स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न मापदण्डों का उल्लंघन करने वाले जैसे खुले में कचरा डालने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने दोषी व्यक्तियों से 5 लाख 22 हजार से अधिक जुर्माना वसूल किया सीएनडी वेस्ट पर 59 हजार 300 रूपये, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध 58 हजार 700 रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया है।

दिव्यांग जनों के अधिकारों के प्रति सजग होकर उनका हर संभव सहयोग करने का संकल्प करें - कुड़ी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सभी के दुःख दर्द को दूर करके उनके चेहरे पर मुस्कान लाने वाले भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि दिव्यांग जनों के आत्मसम्मान, सहयोग, सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति सजग होकर उनका हर संभव सहयोग करने का संकल्प करें । यह शब्द कुड़ी ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर कहे। कुड़ी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस हर साल 3 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन विकलांगता के मुद्दों की समझ को बढ़ावा देने, दिव्यांगजनों के अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाने और समाज के सभी क्षेत्रों में उनके समावेश को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था।

उद्देश्य: यह दिन दिव्यांग व्यक्तियों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में पूर्ण और समान भागीदारी को सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर

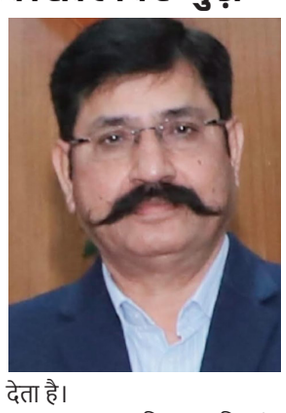

देता है।

महत्व: यह दिवस दिव्यांग व्यक्तियों की गरिमा, अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देता है और समाज में उनके योगदान को पहचानने के लिए जागरूकता बढ़ाता है।

भारत में: भारत सरकार ने दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाने के लिए विभिन्न नीतियां और अभियान शुरू किए हैं। 2015 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकलांग' शब्द के स्थान पर 'दिव्यांगजन' शब्द का प्रयोग शुरू किया था, जिसका अर्थ है 'दिव्य अंग'।

पंचायत समिति सदस्य मानोता ने अपने बड़े भाई गोपाल मीणा के पुत्र देवेंद्र की शादी दहेज मुक्त कर की मिसाल पेश

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जमवारामगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के गांव कानडियावाला निवासी स्व. श्रीमती मनभर देवी एवं गोपाल लाल मीणा अपने सुपुत्र देवेन्द्र (केशव) (सुपौत्र स्व. श्रीमती प्रभाती देवी एवं स्व. लक्ष्मीनारायण देवड़वाल (भगत जी) निवासी : ग्राम-कानड़ियावाला, पोस्ट मानोता, तहसील-जमवारामगढ़, जिला-जयपुर, चाचा आईएएस डॉ. हरसहाय मीना, चाची सुमन मीणा पंचायत समिति सदस्य ने अपने भतीजे (भाई के पुत्र)देवेन्द्र के दिनांक 28 नवम्बर को आयोजित लगन टीका एवम् 30 नवम्बर को आयोजित दहेज मुक्त शादी करने की अनूठी पहल की है । सभी नेगचार (रस्म-रिवाज)एक रुपया लेकर निभाई गई । किसी भी प्रकार का कोई दहेज यथा-बर्तन, फर्नीचर,वाहन एवं अन्य कोई सामान तथा कैश नहीं लिया गया । लड़की पक्ष आचुकी (किरणं) (सुपुत्री कल्ली देवी एवं रामजीलाल ब्याड़वाल) (सुपौत्री स्व. श्रीमती छोटा देवी एवं स्व. सूरजमल ब्याड़वाल) निवासी : ग्राम-चावण्डिया, तहसील-आंधी, जिला-जयपुर निवासी हैं, दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से दहेज मुक्त शादी की रस्म पूरी करनी की आपसी सहमति बनाईं है, आपको बता दें इस मुहिम में बराबर भागीदारी सुनिश्चित लड़की पक्ष वालों ने भी की है । यह भी उल्लेखनीय है कि लड़की पक्ष का परिवार साधारण किसान परिवार है । इस पहल का स्वागत करते हुए समाज में एक अच्छा संदेश देना बेहद अच्छी मिसाल कायम की है, वहीं आदिवासी मीणा समाज में हीं नहीं अन्य समाजों में इस मुहिम की सराहना करते हुए जमकर लोग लड़का-लड़की दोनों पक्षों को जमकर बंधाई दें रहे हैं, वहीं सोशल मीडिया पर चर्चा करते हुए लोग ऐसे मुहिम का स्वागत करते हुए समाज हितों में अच्छा निर्णय बता रहे हैं,

हरसहाय मीना सुमन मीणा ने दहेज प्रथा पर संदेश देते हुए बताया कि ऐसे ही लड़का-लड़की दोनों पक्षों को आपसी सहमति से दहेज मुक्त शादियां करने के लिए आगे आना चाहिए, बिचौलियों व किसी अन्य बीच के व्यक्ति को ना रखकर सीधे तौर पर लड़का-लड़की दोनों पक्षों को शादी-विवाह (वैवाहिक) संबंधों पर खुलकर चर्चा कर आपसी सहमति बनाईं जानी चाहिए जिससे की किसी गरीब परिवार पर बेवजह आर्थिक भार ना आए। साथ ही आपस में दोनों पक्ष खुलकर एक-दुसरे के आचार-विचार को रखेंगे एक दूसरे के सामने सारी सच्चाई आ जाती हैं,इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि हमें ये रिश्ता करने लायक लगता है कि नहीं ? सगाई से पहले सब-कुछ सामने आ जाना चाहिए, ताकि फिर किसी भी प्रकार लोभ-लालच नहीं बनें समाज के लोगों में कहीं जगहों पर स्थिति में बिचौलियों द्वारा दोनों पक्षों की विचारधारा आचार-विचार के खिलाफ झूठे आडम्बर उच-नीच,बराबरी की हैसियत शब्दों से तोल-मोल करने व तगड़ा ढकोसला बाजी के तहत् शादी करने के लिए दबाव बनाने का प्रयास करते हैं जो समाज हित में किसी गरीब परिवार पर बेवजह आर्थिक भार डालना उचित नहीं है । लड़का-लड़की दोनों पक्षों की आपसी सहमति होनी चाहिए बिना दहेज वैवाहिक संबंधों पर, और आचार-विचार मिलें तभी वैवाहिक संबंधों को स्थापित करना चाहिए ताकि बाद में लड़का-लड़की दोनों पक्षों के बीच कोई अनबन ना बनें और कभी रिश्तों में तनाव उत्पन्न ना हो शादी के बाद भी एक दूसरे रिस्तेदारो को हमेशा एक दूसरे की मदद सुख-दुखों में भागीदार रहना चाहिए बिना लोभ-लालच के जिससे की मानवीय संबंधों में को मजबूती बनी रहें।

लड़के के चाचा आईएएस डॉ. हरसहाय मीना ने की मुहिम की पहल

लड़के पक्ष में दूल्हे के चाचा आईएएस डॉ. हरसहाय मीना की दहेज मुक्त वैवाहिक संबंधों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका मानीं गई है, डॉ. हरसहाय मीना आईएएस व लड़के की चाची सुमन मीणा पंचायत समिति सदस्य मानोता की बड़ी भूमिका मानीं जा रही हैं दहेज़ मुक्त शादी करने में आईएएस डॉ.

अब्दुल अज़ीज़ लोहानी व उनकी टीम गायों की करती है सेवा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। अब्दुल अजीज लोहानी एक नेक इंसान है जो कि गरीब यतीम बेवा आदि की मदद ही नही करते है बल्कि लाचार बेबस बुड्ढी और ज़ख्मी गाय की भी तुरन्त मदद करते है। इन्होंने वर्षो पूर्व गरीब उद्धार विकास मंच भी बनाया था तभी से ये जनता की मदद करते आरहे है। इनके पिताजी स्वर्गीय हबीब खान लोहानी पुत्र कल्लू खान लोहानी भी ग़रीबो की मदद करते रहते थे उन्ही की शिक्षा की बदौलत अब्दुल अज़ीज़ लोहानी आज तक दयालु व संस्कारवान बने हुए है। लोहानी द्वारा प्रेरित करने पर एक टीम खड़ी हुई है जो मृत गायों को दफनाते है घायल गायों को दवाई देते है ग्लूकोस की बोतल चढ़वाते है जानवरो को

दिखाने के लिए अस्पताल में लेकर जाते बहुत सेवा करते है। लोहानी स्वयंम के जेब से रुपए खर्च करके इन जानवरों की दुआएं लेरहे है इंसान हो या जानवर सब लोहानी को दुआएं देते रहते है। लोहानी को दिखावा बिल्कुल भी पसन्द नही है गुप्त में दान करना या मदद करना इनका शोक है। लोहानी सभी धर्मों का सम्मान करते है आपसी प्रेम स्नेह व भाईचारे को प्रगाढ़ करते है।

जेडीए ने छः बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

-सड़क सीमा को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 06 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-पीआरएन-साउथ में रीको कांटा कल्याणपुरा में के. एम. कॉलोनी की 40 फीट रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्रीन जोन दिल्ली रोड़, ग्राम कूकस, छापरवाडी, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर फार्म हाऊस योजना हेतु बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ

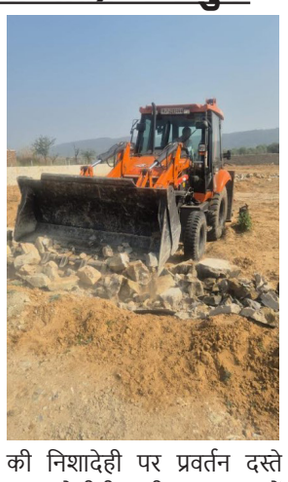

की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित रीको कांटा कल्याणपुरा में के. एम. कॉलोनी की 40 फीट रोड सीमा पर अतिक्रमण कर तारबंदी कर, लोहे के एंगल, टीनषेड लगाकर अतिक्रमण रास्ता अवरूद्ध कर रखा था जिससे स्थानीय लोगों आमजन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर 40 फीट रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन षिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, पी.आर.एन.(साउथ) तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकन प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2025 में 354 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियों बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है स्वच्छता अभियान - राठौड़

-जनप्रतिनिधियों ने चूरू नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर सार्वजनिक शौचालय का किया लोकार्पण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर बुधवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी चन्दनमल बहड़ सर्किल के पास चूरू नगरपरिषद द्वारा 34 लाख की लागत से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा घर—घर कचरा संग्रहण हेतु 35 नए ऑटो टिपरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि नगरपरिषद द्वारा शहरवासियों की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। नए ऑटो टिपर और सार्वजनिक शौचालय की सुविधा से स्वच्छता अभियान को नई गति मिलेगी तथा शहर का पर्यावरण और भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को साकार करते हुए हम स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर चूरू बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है और इन दो वर्षो में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिली है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद की इस पहल से चूरू शहर स्वच्छता की दिशा में नई मिसाल कायम करेगा। चूरू वासी शहर को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक आगे आए और शहर में कचरा पृथकीकरण और स्वच्छता बनाए रखने में पूरा सहयोग दें।चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि शहर के विकास के लिए स्वच्छता सबसे पहला कदम है। नए ऑटो टिपरों के आने से घर–घर कचरा संग्रहण व्यवस्था और सुदृढ़ होगी, जिससे शहर का वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ रहेगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि प्रशासन शहरों की सभी आवश्यक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सार्वजनिक शौचालय और कचरा संग्रहण व्यवस्था के लिए नए ऑटो टिपरों से जनसुविधाएं और बेहतर होंगी। नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि चूरू नगरपरिषद शहर में स्वच्छता और सफाई व्यवस्था को नई तकनीक और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ा रही है। इस दौरान जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, बसंत शर्मा, चंद्राराम गुरी, भास्कर शर्मा, विमला गढ़वाल, सुशील लाटा, अभिषेक चोटिया, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, मोहन गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र राकसिया, श्रीराम पीपलवा, पूर्णिमा यादव, सुनील, इरफान खान, सत्तार खान, नरेन्द्र कंवल, अख्तर खान, महेश मिश्रा, आकाश सैनी, सुरेश मिश्रा सहित शहरवासी मौजूद रहे। संचालन रवि दाधीच ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह में किया दिव्यांगों का सम्मान

- दिव्यांगों को प्रदान किए ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर व श्रवण यंत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास में आयोजित जिला स्तरीय दिव्यांगजन सम्मान समारोह में 05 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया। एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता एवं समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक पहल है। भारत में दिव्यांगजनों को स्वावलंबी बनाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचन्द राहड़, विमला गढ़वाल, नरेन्द्र काछवाल, सुरेश सारस्वत, मोहनलाल गढवाल, अभिषेक चोटिया, श्रीराम पीपलवा, दिनेश शर्मा, हरदयाल सिंह राठौड़ बरड़ादास आदि अतिथि उपस्थित रहे। उपनिदेशक नगेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अतिथियों ने विचार व्यक्त किए रोहिताश स्वामी, गजानंद, संदीप सिंह, भंवरलाल प्रजापत, हेमलता स्वामी सहित 05 दिव्यांगों को प्रशस्ति—पत्र व स्मृति— चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इसी के साथ पात्र 05 दिव्यांगजनों को ट्राईसाईकिल, 03 को व्हीलचेयर तथा 05 को श्रवण यंत्र प्रदान किए। रामनिवास भुंवाल ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान लाखनसिंह बीका, विजय खेड़ीवाल, मनीष जाखड़, नरेन्द्र झोरड़,पवन थालौड़,चन्द्रावती सहित छात्रावास की बालिकाएं उपस्थित रही। संचालन शिवकुमार शर्मा ने किया।

पूर्व जिला कांग्रेस का किया स्वागत कार्यकाल रहा सराहनीय

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी निवर्तमान जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ का स्वागत और अभिनंदन किया। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रहे इंद्राज खीचड़ का शानदार जिलाध्यक्ष पद पर कार्यकाल सफलतापूर्वक रहने पर चूरू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों के साथ स्वागत किया और कहा आपके कार्यकाल में चूरू जिला कांग्रेस कमेटी मज़बूत रही, गत विधानसभा चुनाव में चार जगह कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए और चूरू लोकसभा चुनाव में वर्षों बाद कांग्रेस सांसद राहुल कसवा चुनाव जीते यह बड़ी बात है, हम जैसे कार्यकर्ता ने आपके सानिध्य में कार्य किया हमें फक्र है । हम पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से मांग करते हैं आपको प्रदेशस्तर पर संगठन में जिम्मेदारी दी जाए। इस अवसर पर पार्षद, कांग्रेस अग्रिम संगठन के कार्यकर्ताओ ने भी स्वागत चूरू जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर किया।

रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू की ओर से चल रहे विश्व दिव्यांग दिवस सप्ताह का हुआ समापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान चुरु की ओर से चल रहे विश्व दिव्यांग दिवस सप्ताह का समापन बुधवार को इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में समारोह पूर्वक हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीडीयू मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. ओमवीर सिंह चाहरण थे वही कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी असगर खान जोईया, पार्षद अजीज खान दिलावर खानी, पार्षद असलम खान मोयल, पार्षद समीउल्लाह खान, पार्षद फारुख खान, पार्षद तौफीक खान, इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल सचिव हाजी यूसुफ खान रूकनखानी विशिष्ट अतिथि रॉयल विकलांग विकास संस्थान अध्यक्ष शमीम बानो डॉ. यूनुस खान रूकनखानी थे रॉयल विकलांग विकास संस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी ने बताया कि दिव्यांग दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगों को दिव्यांग गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया खान ने बताया कि इस अवसर पर जरुरत मंद दिव्यागो को व्हील चेयर कम्बल व स्वेटर वितरित किए गए कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरण की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ओमवीर सिंह चाहरण ने कहा कि भले ही भगवान ने इन दिव्यांगों में कुछ कमिया छोड़ दी पर दिव्यांग अपने आप को कमजोर नहीं समझे इस अवसर पर इंदिरा मेमोरीयल पब्लिक स्कूल सचिव हाजी यूसुफ खान रूकनखानी ने कहा कि एक दिव्यांग यदि दृढ़ निश्चय कर लें तो एक साधारण मनुष्य को भी पीछे छोड़ सकता है इससे पूर्व आंगतुक अतिथियों का स्वागत किया गया इस अवसर पर जहीर अब्बास, कालू मोहम्मद, महबूब खान, देवकरण कुल्हारी, सफिक कुरैशी, प्रमोद शर्मा, सलीम खान, सुमित भोजक, मोहम्मद हारून, हारून जर्रा, नबी अगवान, सद्दाम हुसैन, नबील भाटी, लक्ष्मी देवी, मंजर खान, अरशद खान, अकरम खान, मंजू देवी, कालू सिंह, महेंद्र सिंह, सुरेंद्र कस्वा, दिक्षा आदि मौजूद थे ।

बटावदा पंचायत की ग्राम सभा में समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर से सटी समीपवर्ती बटावदा ग्राम पंचायत की ग्राम सभा सरपंच राजू बाई मेघवाल की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विभिन्न कार्यों के प्रस्ताव लिए एवं अनुमोदन किया गया। इस दौरान हरिपुरा के ग्रामीणों ने गांव की मुख्य समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि हरिपुरा गांव की मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिससे ग्रामवासियों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं गणेश मोहल्ले में पानी का निकास नहीं होने व नालियों के अभाव में घरों का पानी रास्ते में ही फैला रहता है। जिससे कीचड़ व गंदगी हो रही है। वहीं इसके कारण बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है। बच्चों व वरिष्ठजनों को पानी फैला रहने से असुविधा हो रही है। बारिश के दौरान तो यहां घुटनों-घुटनों तक पानी भर जाता है। पानी व गंदगी जमा होने से बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। ज्ञापन में मुख्य सड़क, गणेश मोहल्ले में पानी का निकास सहित स्कूल के पीछे तक होकर खसरा नंबर 306 व 320 पर नाली का निर्माण कराने की मांग रखी गई। ग्राम सभा में ग्राम विकास अधिकारी कुलदीप सिंह, सरपंच पति चौथमल मेघवाल, पंचायत समिति के सहायक विकास अधिकारी क्षेत्रपाल सुमन, भाजयुमो देहात मंडल अध्यक्ष जसवंत मीणा, बूथ अध्यक्ष हरिओम मीणा, ग्राम रोजगार सहायक रमाकांत शर्मा, ग्राम पंचायत के कनिष्ट अभियंता कमलेश शर्मा, पंचायत समिति सदस्य हरिओम मेघवाल, भाजयुमो पूर्व मंडल महामंत्री एवं वार्ड पंच कपिल यादव, विनोद शर्मा, मंजू गौड़, बृजमोहन, आंगनबाडी सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

ईओ संजू खोड ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देश पर तथा नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर के नेतृत्व में रतननगर नगरपालिका की नव नियुक्त अधिशाषी अधिकारी सुश्री संजू खोड ने बुधवार को लगातार दुसरे दिन प्रातः 08:00 बजे से 10:00 बजे तक शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करते हुए सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और स्वच्छता सैनानियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होनें स्वच्छता सैनानियों को निर्देश दिए कि स्वच्छ चूरू, स्वच्छ रतननगर की तर्ज पर शहर की सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। जो समय रहते पूर्ण की जानी है। उन्होनें कहा कि स्वच्छता सैनानी शहर की रीढ़ की हड्डी होती है और हड्डी मजबूत होगी तो शहर स्वच्छ एवं स्वस्थ नजर आयेगा। इसलिए टीम भावना अपनाते हुए सफाई व्यवस्था को दुरूस्त बनाये रखने में अपना पूर्ण सहयोग करें इसके लिए नगरपालिका की ओर से आपको हर संभव सहायता की जायेगी। उन्होनें समस्त नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने घर के आस-पास कचरा न फैलायें कचरा निर्धारित स्थान या कचरा पात्र में ही डाले ताकि स्वच्छता सैनानी उसे वहां से एकत्रित कर निर्धारित स्थान पर डाल कर आ सकें। इससे न केवल आपकी गली, मोहल्ला बीमारियों से मुक्त और स्वच्छ दिखाई देखा बल्कि शहर की सुंदरता भी अलग ही दिखाई देगी। अभियान के दौरान मंगलवार को शहर के मुख्य बाजारो, मार्गो में सफाई अभियान चलाकर सफाई करवाई गई वहीं बुधवार को वार्ड नं. 08 में करीब आधा दर्जन गलियों की नालियों एवं रास्तों की सफाई की गई। उन्होनें बताया कि उनका मूल उद्देश्य सर्वप्रथम शहर को स्वच्छ बनाना है इसके लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अभियान के दौरान पार्षद ओमप्रकाश जांगिड़ सहित जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहें।

सूरौठ में पंचायत समिति मुख्यालय की मांग तेज, बाजार रहे बंद

-रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हनीस खान कुतकपुर

सूरौठ (रॉयल पत्रिका)। शेरपुर–सूरौठ के संयुक्त नाम से घोषित नई पंचायत समिति का मुख्यालय सूरौठ में स्थापित किए जाने की मांग को लेकर, बुधवार को पूर्णतः बाजार बंद रहा, संघर्ष समिति के आह्वान पर बुधवार को सुबह गांधी स्मारक मैदान में आमसभा आयोजित की गई, जिसके बाद सर्व समाज की विशाल रैली मुख्य चौराहे से निकलकर तहसील कार्यालय तक पहुंची। तहसील परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा, समिति सदस्यों ने बताया कि सूरौठ एवं आसपास के गांवों के लोग बुधवार सुबह सवा आठ बजे गांधी स्मारक मैदान में जुटें सभा के बाद रैली गांधी स्मारक चौराहे होते हुए राजकीय विद्यालय बूडन्दे बाबा मंदिर होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। शहर के सभी बाजार बंद रहें, समिति के अनुसार, परिसीमन प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार ने शेरपुर–सूरौठ नाम से नई पंचायत समिति का गठन किया है, जबकि सूरौठ भौगोलिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक दृष्टि से पहले से ही एक विकसित केंद्र है। यहां तहसील कार्यालय, नगर पालिका, पुलिस थाना, राजकीय महाविद्यालय, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्वास्थ्य केंद्र, आयुर्वेद औषधालय, सहित अधिकांश विभागों के क्षेत्रीय कार्यालय संचालित हैं। दिल्ली–मुम्बई रेल मार्ग और भरतपुर–गंगापुर स्टेट हाईवे पर स्थित होने के कारण सूरौठ प्रमुख व्यापारिक केन्द्र भी है, जहां दों सौ से अधिक दुकानें हैं और सैकड़ों गांवों के लोग खरीदारी करने आते हैं। संघर्ष समिति का कहना है कि करीब 25 हजार की आबादी वाले सूरौठ में पंचायत समिति कार्यालय खुलने से ग्रामीणों को अत्यधिक सुविधा मिलेगी और यह पूरी तरह उचित मांग है रैली में हजारों लोग रहें उपस्थित।

सड़क दुर्घटना में हिण्डौन निवासी दंपत्ति की दर्दनाक मौत

हनीस खान कुतकपुर

हिण्डौन सिटी(रॉयल पत्रिका)। नूंह (हरियाणा) के दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में हिण्डौन निवासी दंपत्ति की मृत्यु हो गई। हादसा देर रात उस समय हुआ जब कार और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, नगर परिषद हिण्डौन क्षेत्र के कोटापुरियान के पुरा निवासी लक्ष्मीकांत अपनी पत्नी कुशुमलता के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। वे किसी निजी कार्य से अपने गाँव आए थे और वापस दिल्ली लौट रहे थे। नूंह पुलिस के अनुसार, एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार ट्रक से उनकी कार की टक्कर हो गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना नूंह हरियाणा पुलिस ने देर रात परिजनों को दी। जैसे ही हादसे की खबर मिली, परिजन और ग्रामीण नूंह के लिए तुरंत रवाना हो गए। गांव में शोक की लहर छा गई और हर कोई घटना से स्तब्ध है। मृतक लक्ष्मीकांत का परिवार दिल्ली में ही रहता है। उनके दो बेटे और दो बेटियाँ दिल्ली में अध्ययनरत हैं। अचानक हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

हज्जन रज़िया बानो के निधन पर हुई ताजियत की बैठक

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। रंगरेज समाज पाली के पूर्व सदर हाजी लियाकत अली रंगरेज की धर्मपत्नी तथा जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव शाकिर अली व रफ़ीक अली एल.जी. की वाल्दा हज्जन रज़िया बानो के इंतकाल पर पाली के समाजसेवी, राजनीतिक एवं प्रबुद्धजनों ने उनके निवास पर ताजियत बैठक (शोक सभा) में पहुँचकर परिजनों से मुलाक़ात कर उनके दुख में शामिल होकर खिराजे अकीदत पेश की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष अज़ीज़ दर्द, पी सी सी सदस्य महावीरसिंह सुकरलाई, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जीवराज बोराणा, प्रकाश सांखला, पूर्व डी टी ओ ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व पार्षद एवं जिला महासचिव आमीन अली रंगरेज, आरिफ अली रंगरेज, हाजी वाली, हाजी आबिद अली, यासीन रॉयल, हाजी शरीफ अली, रईस अली, अमराराम पटेल, घनश्याम रांकावत, जिशान अली, सालिक अली, हाजी तुरब अली, हाजी मंजूर अली, हाजी सरदार अली, हबीब अली, इरफान रॉयल, सलीम मिस्कीन, हाजी शरीफ हिन्दस्तान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मुनीम जी की ढाणी में भामाशाह द्वारा विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम ढाणी मुनीम जी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में भामाशाह प्रेरक राम सिंह शेखावत की प्रेरणा से भामाशाह लूणाराम गुर्जर द्वारा स्वेटर वितरण कार्यक्रम रखा गया । जिसमें मुख्य अतिथि उपनिदेशक गोविंद सिंह राठौड़, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत चोटिया व कार्यक्रम अध्यक्ष लूणाराम गुर्जर रहे। इस अवसर पर उपनिदेशक गोविंद सिंह राठौड़ ने छात्र एवं अध्यापकों को सबोधित करते हुए शिक्षा में नवाचार व अध्यापकों की भूमिका के बारे में बताया अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत चोटिया ने जीवन मे दान के महत्व को बताते हुए ग्रामीणों को प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ निर्मला, अशरफ अली, राधेश्याम गुर्जर, सांवरमल गुर्जर, महावीर ढाका, अशोक गुर्जर, सुनील गुर्जर, भाविक गुर्जर, सुभाष गुर्जर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नियाज अली द्वारा किया गया। अंत मे प्रधानाध्यापक रामसिंह शेखावत द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसा कड़े का झूमर निकाला, नन्हें बच्चे को मिली नई ज़िंदगी

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के कान, नाक एवं गला रोग विभाग (ENT) की विशेषज्ञ टीम ने एक 6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसे कड़े के झूमर (Foreign Body) को सफलतापूर्वक निकालकर बच्चे को नया जीवन प्रदान किया। यह अत्यंत जटिल व संवेदनशील सर्जरी थी, जिसमें टीम ने उच्च दक्षता और तत्परता का परिचय दिया। इस सफल ऑपरेशन में ENT विभाग की डॉ. अनामिका, डॉ. हिमांशु जोशी व टीम, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. स्वप्निल, तथा PICU के डॉ. रामकेश मीणा का विशेष योगदान रहा। OT स्टाफ मयंक व उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिशु को सांस लेने में समस्या और दूध न पी पाने पर पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत गीतांजली हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहाँ जांच में पता चला कि बच्चे की भोजन नली में धातु का झूमर फंसा हुआ है, जो श्वासनली पर भी दबाव डाल रहा था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ENT सर्जन डॉ. अनामिका को तत्काल बुलाया गया। बच्चे को डॉ. रामकेश मीणा के निरीक्षण में PICU में भर्ती कर आवश्यक जांचें की गईं। वस्तु की पुष्टि होने पर तुरंत Rigid Esophagoscopy (दूरबीन द्वारा ऑपरेशन) करने का निर्णय लिया गया। कुछ ही समय में ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ और बच्चे की भोजन नली से कड़े का झूमर सुरक्षित निकाल लिया गया। अब बच्चा पूर्ण रूप से सुरक्षित है और स्वस्थ है।

अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण संदेश:

चिकित्सकों ने अपील की है कि छोटे बच्चों को धातु के झुमके, छोटे खिलौने, सिक्के, बैटरी और अन्य छोटी वस्तुओं से दूर रखें। इन्हें निगलने से जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है। गीतांजली हॉस्पिटल एक टर्शरी केयर मल्टी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल है यहाँ के कान, नाक एवं गला रोग विभाग में सभी एडवांस तकनीके व संसाधन उपलब्ध हैं जिससे जटिल से जटिल समस्याओं का निवारण निरंतर रूप से किया जा रहा है।गीतांजली हॉस्पिटल पिछले 18 वर्षों से सतत रूप से हर प्रकार की उत्कृष्ट एवं विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है एवं जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाएं देता आया है।

हाथनोदा गांव में अवैध ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

-जिला कलेक्टर और शाहपुरा विधायक मनीष यादव खनन विभाग के SME को ज्ञापन सौंपा

-ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 3 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो हाथनोदा में बड़ा आंदोलन होगा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत हाथनोदा में हो रही अवैध ब्लास्टिंग और पत्थर खनन से त्रस्त ग्रामीणों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। खनन गतिविधियों से आबादी क्षेत्र, मंदिर, विद्यालय और जलाशय को खतरा बताते हुए ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर जयपुर, शाहपुरा विधायक मनीष यादव और खनन विभाग के SME अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ों पर लगातार हो रही अवैध खुदाई से कंपन बढ़ रहे हैं, मकानों में दरारें पड़ रही हैं और रोजमर्रा की जिंदगी खतरे में है। आबादी क्षेत्र के बेहद नजदीक खनन कार्य जारी है। मंदिर और स्कूल तक धमाकों का कंपन महसूस होता है। पहाड़ कटने से जलाशय की संरचना प्रभावित होने का खतरा है। लगातार उड़ने वाली धूल और पत्थर लोगों और पशुओं के लिए जानलेवा बन रहे हैं। प्रशासन और खनन विभाग की अनदेखी के कारण खनन माफिया बेखौफ होकर पहाड़ों को क्षति पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि 3 दिन में संबंधित खनन पर रोक लगाकर जांच शुरू नहीं की गई तो हाथनोदा गांव में व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि किसी भी संभावित हादसे की जिम्मेदारी प्रशासन और खनन विभाग की होगी।

अवैध खनन पर सख्ती के निर्देश, जिला स्तरीय खनिज विकास समिति की बैठक सम्पन्न

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनिज विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध खनन निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में उपवन संरक्षक सुरेश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक करण सिंह, परिवहन अधिकारी नरेश पुनिया, सहायक खनन अभियंता सोहनलाल गुरु सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं एनजीओ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सहायक खनन अभियंता ने जिले में होने वाले जिप्सम और ईंट मिट्टी के खनन की जानकारी दी। वर्तमान में 156 जिप्सम परमिट और 398 ईंट मिट्टी परमिट स्वीकृत हैं। जिप्सम पर प्रति टन कुल 325 रुपए तथा ईंट मिट्टी पर 40 रुपए की रॉयल्टी देय है। जिप्सम रॉयल्टी वसूली का ठेका 15 नवंबर, 2025 से 31 मार्च, 2027 तक की अवधि के लिए फर्म देव दशरथ माइन्स एंड मिनरल्स को दिया गया है, जिसके लिए जिले में 24 नाके संचालित किए जा रहे हैं। अवैध खनन पर दंड की जानकारी देते हुए बताया गया कि बिना रॉयल्टी जिप्सम परिवहन पर 10 गुना पेनल्टी (2000 रूई प्रति टन) तथा वाहन के प्रकार अनुसार 25,000 से 1 लाख रुपये तक कम्पाउन्ड शुल्क देय है। वर्ष 2024-25 में अवैध खनन के 90 प्रकरणों में 1.11 करोड़ रुपए और वर्ष 2025-26 में अब तक 67 प्रकरणों में 86.27 लाख रुपए वसूले गए हैं। 3 वे-ब्रिज और 3 जिप्सम परमिटों में अनियमितताएं पाए जाने पर विभाग द्वारा उन्हें डी-एक्टिवेट किया गया है। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी तीन सप्ताह तक खनन, पुलिस, परिवहन एवं वन विभाग संयुक्त अभियान चलाकर अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण करें। संभावित स्थलों पर पुलिस द्वारा ड्रोन सर्वे कर निगरानी बढ़ाने, वे-ब्रिज की समय-समय पर जांच तथा नाकों पर तैनात कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एनएचएआई को भारतमाला मार्ग पर वे-ब्रिज शीघ्र दुरुस्त कर चालू कराने को कहा गया। बैठक में सदस्यों ने जिप्सम परमिटों तक संकरे रास्तों के कारण संचालन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने तथा ईंट भट्ठों पर पौधरोपण अनिवार्य करने जैसे सुझाव रखे। जिला कलक्टर ने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों के साथ खनन प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृषि मंत्री का सवाई माधोपुर शहर में दौरा

-कहा, स्थानीय प्रशासन और सरकार नागरिकों को आधारभूत सेवाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के कृषि मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने मंगलवार को सुबह सवेरे शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर आमजन को उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं की स्थिति का मौके पर निरीक्षण किया। डॉ. मीना के साथ जिला कलक्टर काना राम और नगर परिषद के सभापति सुनील तिलकर सहित पूरा प्रशासनिक अमला उपस्थित था। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार नागरिकों को सभी आधारभूत सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री ने शहर में साफ-सफाई, बिजली- पानी, सड़क एवं सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं सहित शहर के विकास से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. मीना ने जिला मुख्यालय पर कई जगह अतिक्रमण को हटाने और सब्जी मंडी की स्थिति सुधारने के निर्देश नगर परिषद के अधिकारियों को दिए। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त से कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में कोई भी कोताही नहीं हो। शहर के भ्रमण के दौरान उन्होंने जगह-जगह स्थानीय लोगो से चर्चा की और शहर की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

डॉ. मीना ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने के साथ ही जगह-जगह पानी लीक होने के कारण व्यर्थ बह रहे पानी को रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा नगर परिषद को हाल ही में स्वीकृत हुई नई सड़कों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर सभी कार्यो की बेहतर मॉनिटरिंग करें।

इस दौरान विद्त विभाग के अधीक्षण अभियंता बीएल मीणा, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता भगवान सहाय मीणा, सार्वजनिक निर्माण विभाग एंव अन्य विभागीय अधिकारियों मौजूद रहे।

अधिक्ता संगठन ने दिखाई एकजुटता,घटना की कड़े शब्दों में निंदा की

-वकील से जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाने में हाथापाई और बदसलूकी का मामला

कोटा (रॉयल पत्रिका) । वकीलो के संगठन ऑल इंडिया लॉयर्स एसोसियशन फॉर जस्टिस की राजस्थान राज्य कमेटी द्वारा थाने में अधिवक्ता से हुई हाथापाई और बदसलूकी के घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। संगठन के प्रदेश कन्वीनर एडवोकेट अंसार इंदौरी ने अपने बयान में कहा कि थाने में वकीलों से पुलिस द्वारा मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं,जो न्याय के योद्धाओ की आवाज़ दबाने के समान है। संगठन ने बयान जारी कर कहा की संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई स्वागत योग्य है। संगठनात्मक तौर पर पीड़ित वकीलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उन्होंने कहा कि वकीलों की सुरक्षा और सम्मान हेतु संघर्ष की भूमिका संगठन निभाता रहेगा। उन्होंने वकीलों की सुरक्षा और सम्मान की मांग, संगठन ने पुलिस द्वारा की गई बदसलूकी और अनावश्यक हिंसा की निंदा की है। संगठन ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्रभावी और त्वरित कार्रवाई के लिए राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा लिए स्वतः संज्ञान का भी स्वागत किया है।

गणना प्रपत्र का कार्य पूर्ण कर लक्ष्य करे अर्जित - राणावत

-पाली पंचायत समिति सभागार मे बीएलओ एवं बीएलए के लिए हुआ विशेष प्रशिक्षण का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन निर्वाचन विभाग की ओर विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को निर्वाचन क्षेत्र के पाली पंचायत समिति सभागार मे निर्वाचन क्षेत्र के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों एवं बूथ लेवल अभिकर्ताओं को चार सत्रो में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत कई बूथ लेवल अधिकारियों ने बी.एल.ए. एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओ एवं मतदाताओ के सहयोग से अपना कार्य शतप्रतिशत पूर्ण कर लिया है तो कई अपने लक्ष्य के बेहद नजदीक हैं जो एक सराहनीय कार्य हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ एव बीएलए निर्वाचन कार्य की मुख्य कड़ी है जिनके सहयोग के बिना कार्य पूर्ण हो ही नहीं सकता। उन्होने बीएलओ से गणना प्रपत्र का कार्य पूर्ण कर लक्ष्य अर्जित करने की बात कहीं।

चार सत्रों में दिया विशेष प्रशिक्षण

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी राणावत ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ एवं बीएलए को चार सत्रों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम सत्र में पाली तहसीलदार कल्पेश जैन के सानिध्य मे मास्टर ट्रेनर प्रदीप कच्छवाह एवं गणपतलाल पन्नू ने भाग संख्या 56 से 85, द्वितीय सत्र मे नायब तहसीलदार पाली बाबूलाल चौहान के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर पंकज पंवार एवं कल्याण सिंह टेवाली ने भाग संख्या 86 से 115, तृतीय सत्र मे नायब तहसीलदार चुनाव पाली सुरेन्द्र पाण्डे के निर्देशन मे मास्टर ट्रेनर सत्यनारायण सिंह एवं निरंजन त्रिवेदी ने भाग संख्या 166 से 155 तथा चतुर्थ सत्र में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दिलीप करमचंदानी के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर ओमप्रकाश कुमावत एवं मुकेश जागरीवाल ने भाग संख्या 156 से 203 तक के बीएलओ एवं बीएलए को विशेष प्रशिक्षण दिया।

उत्कृष्ट कार्य पर थप थपाई बीएलओ की पीठ

प्रशिक्षण के दौरान विशेष पुनरीक्षण अभियान के कार्य के बेहद नजदीक पहुंचने वाले बीएलओ भगवानदास बाबानी, धर्मेन्द्र सोलंकी एवं अरूण कुमार के उत्कृष्ट कार्य पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी ने उनकी कार्यकुशलता पर पीठ थप थपाई। इस मौके पर राम किशोर साबू, निर्वतमान पार्षद अशोक शर्मा, रामचन्द्र, प्रमेन्द्र सिंह परिहार, ललित कुमार दवे, अनिल नामा, रमेश अणकिया, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, राजेश कुमार सैन, सवाई सिंह राजपुरोहित, भवानी सिंह, लोकेश दवे, मनोज कुमार रांगी, पारसराम, सुरेश चौधरी, अनिता पारीक समेत राजनैतिक दलो के बूथ लेवल अभिकर्ता, बीएलओ एवं निर्वाचन से जुडे कार्मिक मौजूद रहे।

दुर्घटना में मृतक युवक के परिजन को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपए का चेक प्रदान

हनुमानगढ़/नोहर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय स्टेट बैंक की स्टेशन रोड शाखा नोहर द्वारा नगरासरी निवासी स्वर्गीय गोपीचंद शर्मा के परिजनों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। स्टेशन रोड शाखा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अग्रणी बैंक जिला प्रबंधक बलविंदर सिंह ने यह चेक स्वर्गीय गोपीचंद के पिता ओमप्रकाश शर्मा को सौंपा। स्वर्गीय गोपीचंद (उम्र 30 वर्ष), जो एयू बैंक में लोन अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, जिनका कुछ समय पूर्व सड़क दुर्घटना में असमय निधन हो गया था। घटना के उपरांत नामित उनके पिता द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दावा प्रस्तुत किया, जिसे बैंक एवं सहयोगी संस्थाओं ने त्वरित प्रक्रिया के साथ स्वीकृत कराया।

जिला प्रबंधक बलविंदर सिंह ने कहा कि बैंक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना में मात्र 20 रुपये और जीवन सुरक्षा बीमा योजना में 436 रुपये में बीमा उपलब्ध कराया जाता है, जिससे आमजन न्यूनतम प्रीमियम देकर सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

नोहर शाखा प्रबंधक सुखदेव सांखला ने कहा कि प्रधानमंत्री बीमा योजनाएं विपरीत समय में आम लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और अधिक से अधिक नागरिकों को इन योजनाओं से जुड़कर अपने परिवार को सुरक्षित करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वित्तीय साक्षरता सलाहकार वीरेंद्र कुमार ने पेंशन योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मात्र 42 रुपये मासिक बचत कर 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 रुपये मासिक पेंशन प्राप्त की जा सकती है।

दावा स्वीकृति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करवाने में आरोह फाउंडेशन के सीएफएल बृजलाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मृतक के परिजनों ने इस सहयोग के लिए बैंक अधिकारियों एवं आरोह फाउंडेशन की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

विवाह सम्मेलन में आठ जोड़ो का निकाह सादगी से संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा के मोहल्ला अन्नतपुरा केसर विहार में चिश्तिया ए हिन्द सेवा समिति द्वारा विवाह सम्मेलन में मुफ्ती शमीम अशरफ की सरपरस्ती में आठ जोड़ो का निकाह सादगी के साथ सम्पन्न हुआ। मुफ्ती शमीम अशरफ ने प्रत्येक दूल्हा दुल्हन को कलमा पढ़ाया और निकाह का खुतबा दिया, तथा नव युवकों को नशे की चीजों के सेवन से दूर रहने की सलाह दी। यूसुफ आज़ाद ने बताया कि सम्मेलन में सीसवाली, पीपल्दा, झालावाड़, बूंदी, कोटा के जोड़े शामिल हुए, सभी जोड़े को उपहार के रूप रोजमर्रा के सामान के साथ मिट्टी के बर्तन, मुसल्ला, बुर्का, दिया गया, इस मौके पर रशीद भाई, फजलुद्दीन, अशफाक मोहम्मद, फहीम भाई, फजर अब्बासी, दानिश कुरैशी आदि निकाह के गवाह बने, दूल्हा दुल्हन को खुशी खुशी विदा किया गया।

राज्य स्तरीय सम्मान से नवाजे जाएंगे देवासी

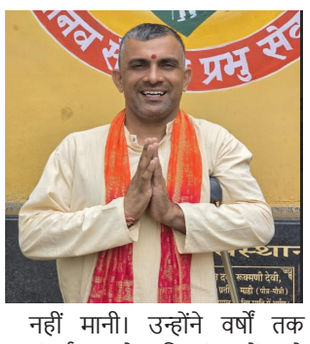

पाली (रॉयल पत्रिका)। निदेशालय विशेष योग्यजन की ओर से बुधवार को राजधानी जयपुर मे अंतराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय सम्मान समारोह मे पाली मे कई वर्षो से दिव्यांगजनों के अधिकार, सुविधा और सम्मान के लिए लगातार संघर्ष करने वाले प्रतिभा का सम्मान किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार निदेशालय विशेष योग्यजन की ओर से बुधवार को राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान ओ.टी.एस के भगवत सिंह मेहता सभागार हरिश चन्द्र माथुर मे मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य मे आयोजित होने वाले मुख्य समारोह मे पाली के दिव्यांगजन हितार्थ क्षेत्र मे सदैव अग्रणी रहने वाले झालाराम देवासी जोयला को आज राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। 82 प्रतिशत विकलांगता के बावजूद देवासी ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने वर्षों तक संघर्ष करके दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने, उनकी समस्याओं को सामने रखने और समाज में उनके लिए सम्मानजनक स्थान बनाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने पाली जिला मुख्यालय पर समाज के सहयोग से 5 करोड़ की लागत से दिव्यांग सेवा भवन का निर्माण करवाया जहां पर सैकड़ो मंदबुद्धि अनाथ, निराश्रित,लावारिस दिव्यांग जनों को पुनर्वासित करके मुख्य धारा से जोड़ा है ।

नवनियुक्त थानाधिकारी का मौलाना आजाद संस्थान ने किया स्वागत

बांरा (रॉयल पत्रिका) । मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान परिवार के तत्वावधान में महिला पुलिस थाना में नवनियुक्त थानाधिकारी आशा रानी बारहठ के पदभार ग्रहण करने पर मदरसा अंजुमन इस्लामिया के सदर माजिद सलीम, संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर, उपाध्यक्ष कहैया लाल चित्तडा, शैलेन्द्र गोयल शैलू, महिला कोर्डिनेटर आरजू लईक अंसारी, हेमलता सोन, फरीदा शेख ने शाल ओढाकर फूल मालाओ से स्वागत कर मुबारकबाद शुभकामनाएं दी।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम:

अंता में 12 मार्च तक चलेगी एसआईआर की प्रक्रिया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अंता विधानसभा क्षेत्र में घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 12 मार्च 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया चलेगी। इसके तहत 7 दिसंबर 2025 तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा। गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य 8 दिसंबर से 6 जनवरी 2026 तक होगा। वहीं 12 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। इसके साथ ही 12 जनवरी से 11 फरवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएंगी। कार्यक्रम में 12 जनवरी से 5 मार्च 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। इसके पश्चात 12 मार्च 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला निवार्चन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेन्स में बताया कि अंता में इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभिक तैयारियां पूरी कर ली गई है तथा बीएलए-1 व 2 के प्रशिक्षण का कार्यक्रम तय किया जा रहा है। पूरे देश में सिर्फ अंता में ही यह कार्यक्रम चलेगा। पूर्व में अंता विधानसभा उपचुनाव के कारण यहां एसआईआर की प्रक्रिया संपादित नहीं की जा सकी थी। विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ निर्धारित अवधि में घर-घर पहुंकर गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण व डिजिटाइजेशन का कार्य करेंगे। इसके लिए मतदाताओं को किसी तरह का दस्तावेज उपलब्ध कराने की आवश्यकता नहीं रहेगी। मतदाता स्वयं भी ऑनलाइन माध्यम से गणना प्रपत्र भर सकेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, एआरओ अंता हवाई सिंह यादव, चुनाव समन्वयक हीरालाल वर्मा, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा व एपीआरओ मोहनलाल भी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण दिया

तोमर ने बताया कि एसआईआर कार्य के लिए विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कार्यक्रम में बीएलओ द्वारा अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन किया जाएगा जिसके आधार पर ईआरओ, डीईओ एवं सीईओ स्तर पर उनका पर्यवेक्षण किया जाएगा।

राजनैतिक दलों एवं मीडिया की सहभागिता

तोमर ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित सभी बिंदुओं से अवगत कराया जाएगा। साथ ही अधिक से अधिक सहभागिता के लिए भी अनुरोध किया जाएगा, जिससे निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनी रहे। जिला स्तर पर मीडिया सेल गठित किया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में केवल जिला निर्वाचन अधिकारी ही जिला स्तर पर अधिकृत प्रवक्ता होंगे। नियमित प्रेस विज्ञप्ति एवं सोशल मीडिया अपडेट जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर ऑनलाइन आवेदन के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ईसीआईनेट ऐप व वेबसाइट लॉन्च की गई है, इसमें बुक ए कॉल विद बीएलओ का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता बीएलओ से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क किया जा सकता है। मतदाता सूचियां वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। साथ ही यह लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता या दादा-दादी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मानचित्रण (मैपिंग) की जा रही है। जिससे अधिकांश मतदाताओं से किसी भी प्रकार के दस्तावेज लेने की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। साथ ही बीएलओ की तीन बार मतदाताओं के घर पहुंचेंगे।

प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में कांग्रेस ने सीएफसीएल फेक्ट्री गढेपान के बाहर दिया धरना

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां जिले में यूरिया खाद अतिशीघ्र उपलब्ध करवाए जाने की मांग को लेकर अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा चम्बल फर्टिलाइजर एण्ड केमिकल्स फेक्ट्री, गढेपान जिला कोटा के बाहर सैकड़ों कांग्रेसजनों की उपस्थिति में धरना दिया गया। धरने में विधायक अन्ता प्रमोद जैन भाया, पीसीसी सचिव हंसराज मीणा उदपुरिया, पूर्व विधायक बारां - अटरू पानाचन्द मेघवाल, पूर्व विधायक छबडा करणसिंह राठौड, किशनगंज की पूर्व विधायक श्रीमती निर्मला सहरिया, आदि ने भी सम्बोधित किया। धरने के दौरान सैकडों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं किसान भाई उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिले के लिए 22,500 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक के तत्काल आवंटन और आपूर्ति हेतु महाप्रबन्धक सीएफसीएल गढेपान एवं राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन पत्र सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी बारां के बैनर तले बारां जिले के कांग्रेसजनों द्वारा 26 सितम्बर 2025 तथा 17 नवम्बर 2025 को जिला कलक्टर कार्यालय, बारां पर धरना दिया गया था जिसमें बारां जिले के किसानो को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाए जाने की मांग की गई थी। इसके पश्चात दिनांक 25 नवम्बर 2025 को राज्य के मुख्यमंत्री को बारां जिले के किसानो के लिए आवंटित यूरिया खाद के कोटे अनुसार समुचित मात्रा में खाद नवम्बर 2025 माह के अन्त तक उपलब्ध करवाए जाने की मांग की गई थी, लेकिन इन सबके बावजूद अभी भी बारां जिले के किसानों के लिए माह नवम्बर 2025 के आवंटित कोटे अनुसार 4000 मेट्रिक टन यूरिया खाद कम प्राप्त हुआ है, जिसके कारण किसान भाईयों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धरने को सम्बोधित करते हुए विधायक अन्ता प्रमोद जैन भाया ने कहा कि बारां जिले की सीमा पर ग्राम गढेपान में चम्बल फर्टिलाइजर्स केमिकल्स लिमिटेड फेक्ट्री खाद बनाने का कार्य करती है। इस फेक्ट्री से निकलने वाले केमिकलयुक्त प्रदूषित पानी एवं चिमनी से निकलने वाली दूषित हवा से बारां जिलेवासियों को भी काफी नुकसान उठाना पड़ता है। इसका दूषित पानी बारां जिले की कालीसिन्ध नदी में आकर मिलता है तथा इसकी दूषित हवा बारां जिले की तरफ भी पहुंचती है जिसके कारण बारां जिलेवासियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। यूरिया खाद की सम्पूर्ण भारत में यह सबसे बड़ी फेक्ट्री है और इस फेक्ट्री के होने का नुकसान बारां जिलेवासियों को भुगतना पड रहा है। इसके बावजूद इस फेक्ट्री से हाडौती संभाग के बारां, कोटा, झालावाड़ एवं बून्दी जिले के किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध नही करवाया जाता है। आपकी फैक्ट्री से उत्पादित खाद की आपूर्ति राजस्थान के अन्य जिलों सहित पूरे देश में की जा रही है और स्वयं बारां जिला तथा हाडौती संभाग के 3 अन्य जिलें भी अपनी मांग के अनुसार खाद की आपूर्ति आप द्वारा नही की जा रही है। यह न्याय के सिद्वान्त का खुला उल्लघंन है, इस फेक्ट्री से होने वाले नुकसान का खामियाजा तो बारां जिला भुगते परन्तु बारां जिले के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद की आपूर्ति भी आप नही करें यह व्यवस्था अब बारां जिले का किसान सहन नही करेगा।

पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में बारां जिले के किसान भाईयों को यूरिया खाद को लेकर भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। बारां शहर में अटरू रोड स्थित क्रय-विक्रय सहकारी समिति के गोदाम पर किसानों द्वारा चक्काजाम करना पड़ा। वही छीपाबडौद उपखण्ड में किसानों द्वारा यूरिया खाद नही मिलने पर उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। किसानों तथा उनके परिवारजनों को रात-रात भर यूरिया खाद के लिए लाईनों में लगना पड़ रहा है इसके बावजूद उन्हें खाद उपलब्ध नही हो पा रहा है। वर्तमान में बारां जिले को आवंटित यूरिया खाद में से अभी भी 4000 मेट्रिक टन खाद की आपूर्ति बकाया है। बारां जिले को दिसंबर माह के लिए आधिकारिक आवंटन 18,500 मीट्रिक टन है। इस प्रकार नवम्बर माह के शेष रहे 4000 मेट्रिक टन एवं दिसम्बर माह का आवंटन 18500 मेट्रिक टन कुल 22500 मेट्रिक टन यूरिया खाद की बारां जिले को आवष्यकता है। पूर्व विधायक करणसिंह राठौड ओर पूर्व विधायक निर्मला सहरिया ने कहा कि वर्तमान में स्थिति अत्यन्त विकट है। चूंकि किसानों द्वारा अपने खेतों में एक साथ सिंचाई की जा रही है जिसके कारण यूरिया उर्वरक की मांग तत्काल और सामूहिक है। महाप्रबन्धक, सीएफसीएल तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन के माध्यम से अंता विधायक प्रमोद जैन भाया तथा कांग्रेसजनों द्वारा मांग की गई कि हाडौती संभाग के बारां, कोटा, झालावाड़ एवं बून्दी जिले के किसान भाईयों को इस फेक्ट्री से मांग अनुरूप पर्याप्त यूरिया खाद उपलब्ध करवाए जाने की पॉलिसी बनायी जावे तथा बारां जिले के किसान भाईयों के हितों को देखते हुए अगले 15 दिनों के भीतर नवम्बर माह का 4000 एवं दिसम्बर माह का 18500 कुल 22,500 मीट्रिक टन यूरिया की तत्काल उपलब्धता और आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। यदि 15 दिसम्बर 2025 तक आवंटन अनुसार यूरिया खाद की आपूर्ति बारां जिले के लिए नही की जाती है तो हमें सीएफसीएल फेक्ट्री के बाहर आमरण-अनशन पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। धरना स्थल पर सीएफसीएल के उप महाप्रबन्धक विशाल माथुर अन्य अधिकारियों के साथ पहुंचे तथा उनके द्वारा बताया कि अभी बारां जिले को प्रतिदिन लगभग 500-600 मेट्रिक टन यूरिया खाद की आपूर्ति की जा रही है, अब इसमें बढोतरी की जाकर जब तक यूरिया की मांग कम नही हो जाती तब तक प्रतिदिन 1000 मेट्रिक टन खाद की आपूर्ति की जावेगी। इस दौरान दीपक महावर उपखण्ड अधिकारी दीगोद, उप निदेषक कृषि बारां आदि भी उपस्थित रहे।

खुशी मुखर्जी को अरबाज खान ने फिल्म से निकलवाया, तो संजय दत्त बोले- बैन कर दो

एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री की खोली पोल

सोशल मीडिया सेंसेशन खुशी मुखर्जी अक्सर विवादों में छाई रहती हैं। वह अपने लिबास के कारण सबका ध्यान अपनी तरफ खींचने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और उसमें संजय दत्त, सलमान खान, अरबाज खान और अक्षय कुमार के बारे में काफी कुछ कहा है। इसके अलावा, उन्होंने कुछ ऐसा भी बताया, जिससे उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। वह फूट-फूटकर रोने लगीं। खुशी मुखर्जी ने अरबाज खान की फिल्म के बारे में बात की, जो उन्हें ऑफर तो हुई थी लेकिन फ्लोर पर नहीं आई। इसकी वजह बताते हुए बोलीं, 'उस फिल्म के बारे में तो मेरे ख्याल से अरबाज को ही पता होगा। और प्रोड्यूसर्स को ज्यादा पता होगा। क्योंकि प्रोड्यूसर ने मुझे साइनिंग अमाउंट तो दे दिया था। मगर बाद में बोला कि वो लोग कर्ज में हैं और उन्होंने मुझे वो चेक डिपॉजिट न करने के लिए कहा था। साथ ही मुझसे कुछ पैसे उधार भी मांगे थे लेकिन मुझे अपनी EMI वगैरह भरनी थी तो मैं नहीं दे सकी। बाद में उन्होंने ये भी बताया कि अरबाज मुझे पसंद नहीं करते और अरबाज तो मुझसे कुछ दिक्कत भी है। इसलिए शायद वो मेरे साथ शूट भी नहीं कर पाएंगे।'

जब कार्तिक आर्यन ने बढ़ा लिया था 18 किलो वजन

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी के प्रदर्शन के तीन साल पूरे हो गए हैं। फिल्म का प्रीमियर दो दिसंबर 2022 को डिज्नी हॉटस्टार पर हुआ था। इस फिल्म के प्रदर्शन के तीन साल पूरे हो गए हैं। अपनी तीसरी सालगिरह पर कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी आज भी उनके सबसे साहसी सिनेमाई प्रयोगों में से एक मानी जाती है क्योंकि 'भूल भुलैया 3' की भारी सफलता और 'चंदू चैंपियन' की शानदार आलोचनात्मक सराहना से बहुत पहले ही कार्तिक ने साबित कर दिया था कि वह जोखिम लेने से नहीं डरते। वर्ष 2022 में प्रदर्शित फिल्म फ्रेडी में डॉ. फ्रेडी जिनवाला का किरदार उनके चॉकलेटी, बॉय-नेक्स्ट-डोर इमेज से बिल्कुल अलग बेचैन, अकेला और अस्थिर था और कार्तिक ने इसे इस शिद्दत से निभाया कि दर्शक और समीक्षक दोनों हैरान रह गए। फिल्म के भीतर उतरने के लिए कार्तिक ने एक जबरदस्त शारीरिक परिवर्तन किया था, जिसके लिए उन्होंने 16-18 किलो तक अपना वजन बढ़ाते हुए, अपने बॉडी फैट को लगभग 40 से 42 प्रतिशत तक ले गए थे। इससे हुआ यह कि उनकी झुकी हुई चाल, हल्के झटके जैसी आदतें और बारीक, नपे-तुले एक्सप्रेशंस ने किरदार को एक सिहरन भरी सच्चाई से भर दिया। उनके दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी माना कि कार्तिक का कंट्रोल्ड परफॉर्मेंस उनकी मासूमियत और जुनून के बीच एक संतुलन जैसा रहा और यही फिल्म की जान बन गया। यही वजह है कि आज भी फ्रेडी को उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक माना जाता है।

रवि किशन के बेटे सक्षम को देख हर कोई दंग!

17 साल का भोजपुरी हैरी पॉटर

रवि किशन भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज स्टार हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। हाल ही में उन्हें उनके बेटे के साथ देखा गया और लोगों ने खूब तारीफ की। लेकिन बेटे सक्षम के साथ हैरी पॉटर की तुलना से इंटरनेट पर मीम्स छा गए।रवि किशन हिंदी, भोजपुरी और तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुके सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। मुंबई में जन्मे रवि पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं। उनका परिवार उत्तर प्रदेश के जौनपुर से था और उनके पिता एक पुजारी थे।

रवि ने 1992 में फिल्म 'पीतांबर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।हाल ही में रवि किशन को लंबे समय के बाद उनके बेटे के साथ देखा गया। वो बेटे का हाथ पकड़कर इवेंट में आए। सीधा-सादा सा उनका बेटा सक्षम काफी सिंपल लग रहा था।

जया बच्चन ने बताया अमिताभ संग 52 साल कैसे टिकी शादी!

जया बच्चन ने कभी भी अपनी बातों को हिचकिचाहट के साथ नहीं कहा, पीढ़ियों के साथ रिश्तों में आए बदलावों पर बात करते हुए, इस अनुभवी एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी दशकों पुरानी शादी के बारे में एक दिलचस्प टिप्पणी की - यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि अमिताभ बच्चन इसे अपने जीवन की 'सबसे बड़ी गलती' कह सकते हैं। उनकी ये बात काफी सीधी और सटीक थी। उन्होंने बताया कि वह शादी को कैसे देखती हैं, 52 सालों में उनके अपने विचार कैसे बदले हैं, और वह नहीं चाहतीं कि उनकी नातिन नव्या नवेली नंदा जल्दबाजी में कदम रखें या शादी करें।जब उनसे पूछा गया कि क्या अमिताभ बच्चन शादी के बारे में बात करते हैं, तो जया ने जवाब दिया, 'मैंने उनसे नहीं पूछा है। हो सकता है कि वह इसे 'मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती' कहें, लेकिन मैं यह सुनना नहीं चाहती।' जया ने यह भी कहा कि शादी के बारे में उनके मौजूदा विचारों के बावजूद, वह अमिताभ के प्यार में तुरंत पड़ गई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें वह पल याद है जब उन्हें प्यार हुआ था, तो उन्होंने कहा, 'क्या आपको पुराने जख्मों को कुरेदना पड़ता है? मैं पिछले 52 सालों से एक ही आदमी से शादीशुदा हूं। इससे ज्यादा प्यार मैं नहीं कर सकती।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसी नेहा शर्मा

मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच '1एक्सबेट' से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष मंगलवार को पेश हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेहा शर्मा एक इंडियन एक्ट्रेस, मॉडल और बिज़नेसवुमन हैं। शर्मा यमला पगला दीवाना 2, सोलो और तान्हाजी जैसी कई फिल्मों में नज़र आ चुकी हैं। उन्होंने 2020 में सीरीज़ इल्लीगल से अपना वेब डेब्यू किया और शॉर्ट फिल्म कृति और विकल्प का भी हिस्सा रही हैं, जहाँ उन्होंने टाइटल रोल किए थे। नेहा शर्मा एक जाना माना चेहरा है। अब ताजा खबरों की माने तो नेहा शर्मा की मुश्किलें बढ़ रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि शर्मा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जा रहा है। माना जा रहा है कि शर्मा कुछ विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी मंच से जुड़ी हुई हैं। संघीय जांच एजेंसी ने इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटरों शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। कुरकाओ में पंजीकृत, '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज ऐप बताया गया है। ईडी ने कहा कि '1एक्सबेट' भारत में बिना अनुमति के काम कर रहा था और सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो तथा प्रिंट मीडिया के माध्यम से भारतीय उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के मकसद से विज्ञापनों का इस्तेमाल कर रहा था। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत में वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाया गया है।

तान्या मित्तल की डिजाइनर ने बताई सच्चाई

साड़ी के दाम से लेकर अशनूर कौर के बर्ताव पर कसा तंज

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जा रहे 'बिग बॉस 19' में तान्या मित्तल चर्चा का विषय बनी हुई हैं। पहले दिन से ही उनके दावों ने सबके होश उड़ा रखे हैं। अब उनकी ही डिजाइनर ने बताया है कि बॉस कितने रुपये की साड़ियां पहन रही हैं। साथ ही अशनूर के पापा पर भी तंज कसा। तान्या मित्तल 'बिग बॉस 19' में नजर आ रही हैं। वह अब फिनाले वीक में भी पहुंच गई हैं। और यहां तक का सफर उन्होंने भारतीय वेषभूषा में तय किया, जिसकी तारीफ हर किसी ने की। साथ ही उन्होंने अपनी फैक्ट्रीज को लेकर भी दावे किए थे, जिसे बाहरी दुनिया में झुठला दिया गया था। मगर अब उनकी नई-नई डिजाइनर बनीं रिद्धिमा शर्मा ने पुष्टि की है कि वाकई तान्या के पास साड़ी की अपनी फैक्ट्रीज हैं। साथ ही अशनूर के पिता पर भी तंज कसा है। डिजाइनर रिद्धिमा शर्मा ने 'फिल्मीज्ञान' को बताया कि वह पिछले दो हफ्ते से तान्या मित्तल को स्टाइल कर रही हैं। घर में 800 साड़ी लाने के पीछे की सच्चाई के बारे में बोलीं, 'ये एकदम सही बात है। पिछले दो हफ्ते से मैं ही तान्या को स्टाइल कर रही हैं। मेरे ही भेजे कपड़े तान्या पहन रही हैं। उनके पास साड़ी की फैक्ट्रीज हैं। मैं बीते दो हफ्ते से हायर हुई हूं। वीकेंड का वार पर उनका मेवाड़ लुक हमारा था।

अनुपम खेर ने बताया उम्र के हर पड़ाव पर कैसे बदलता है पिता-पुत्र का रिश्ता

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर अक्सर जीवन से जुड़े अपने अनुभवों और उनसे मिले सबक को जाहिर करते रहते हैं। मंगलवार को उन्होंने पिता-पुत्र के रिश्तों को लेकर बात की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अभिनेता ने बेटे और पिता के रिश्ते को उम्र के अलग-अलग पड़ावों में बहुत खूबसूरती से समझाया है। उन्होंने बताया कि बचपन से जवानी और फिर जीवन के आगे तक बेटे का अपने पिता को देखने का जो नजरिया है, वो बदलने लगता है। उन्होंने वीडियो में कहा, 'आज का शीर्षक है 'पिता से कभी भी बहस मत करो- 5 और 7 साल की उम्र में हमें लगता है कि पापा सब कुछ जानते हैं। 10 साल तक आते-आते हमें उन पर थोड़ा शक होने लगता है कि शायद उनको सब कुछ नहीं पता है। फिर, 14 साल की उम्र में लगता है कि पापा को तो कुछ भी नहीं पता है। 16 में हमें पापा बिल्कुल पागल लगते हैं।

कांतारा के दृश्य की नकल करने पर रणवीर सिंह ने ऋषभ शेट्टी से मांगी माफी

अभिनेता रणवीर सिंह ने फिल्म कांतारा ए लीजेंड चैप्टर-। के एक दृश्य की नकल करने के लिए अभिनेता ऋषभ शेट्टी से माफी मांगी है। सिंह ने कहा है कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। यह घटना 28 नवंबर को गोवा में आयोजित 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह (आईएफ एफआई) के समापन समारोह के दौरान हुई थी, जहां दोनों अभिनेता मौजूद थे। सिंह द्वारा कांतारा के एक दृश्य की नकल करते हुए जीभ बाहर निकालने वाली विलप सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उनके इस व्यवहार के लिए कई उपयोगकर्ताओं ने उन्हें ट्रोल किया था।

(साभार एजेंसी)

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका:

रोहित शर्मा के निशाने पर गेल, बटलर और वार्नर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान व स्टार ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा जब रायपुर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में मैदान पर उतरेंगे तब उनके निशाने पर क्रिस गेल, जोस बटलर और डेविड वार्नर का बड़ा रिकॉर्ड होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 3 दिसंबर यानी बुधवार को खेला जाएगा।

इंटरनेशनल क्रिकेट में साउथ अफ्रीका टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा फिलहाल 61 सिक्स के साथ क्रिस गेल के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं, लेकिन उनके पास नंबर 1 बनने का मौका है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के डेविड वार्नर ने लगाए हैं जिसकी संख्या 64 है तो वहीं दूसरे नंबर पर 63 छक्कों के साथ जोस बटलर मौजूद हैं। रायपुर में रोहित शर्मा साउथ अफ्रीका के खिलाफ जैसे की एक छक्का और लगाएंगे वो क्रिस गेल को पीछे छोड़ देंगे तो वहीं अगर वो दूसरे मैच में 3 छक्के लगाते ही जोस बटलर से आगे निकल जाएंगे, लेकिन इस मुकाबले में अगर वो 4 छक्के लगा देते हैं तो वो डेविड वार्नर को पीछे छोड़ देंगे और इंटरनेशनल क्रिकेट में प्रोटियाज के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बन जाएंगे। आपको बता दें कि रोहित शर्मा इस वक्त काफी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे मैच में उन्होंने 51 गेंदों पर 57 रन की पारी 3 छक्के और 5 चौकों की मदद से खेली थी। भारत को इस मैच में 17 रन से जीत मिली थी और टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी।

रोहित शर्मा इन 3 छक्कों की मदद से वनडे प्रारूप में भी सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने थे।

नंबर 1 बनने से इतने छक्के दूर हैं हिटमैन

इंटरनेशनल क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर

- 64 छक्के - डेविड वार्नर
- 63 छक्के - जोस बटलर
- 61 छक्के - क्रिस गेल
- 61 छक्के - रोहित शर्मा
- 52 छक्के - मिचेल मार्श
- 50 छक्के - बेन स्टोक्स

सावधान रहना होगा

रांची में जीत के बाद भी गावस्कर ने टीम इंडिया को क्यों चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। रांची में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया पहला वनडे मुकाबला आखिरी ओवर तक गया, लेकिन मेज़बान टीम ने 17 रनों से जीत दर्ज की. यह एक रोमांचक अंतिम ओवर था, क्योंकि प्रोटियाज़ ने 350 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार जज़्बा दिखाया. शुरुआती पीछा करते हुए स्कोर 11 पर 3 होने के बावजूद, मेहमान टीम ने बेहतरीन वापसी की और भारत को कुछ तनावपूर्ण पल दिए. मैच का नतीजा आखिरी ओवर में तय हुआ, जिसकी शुरुआत में नौ विकेट खो चुकी दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे. प्रसिद्ध कृष्णा ने कॉर्बिन बॉश को पहली गेंद डॉट किया और फिर उन्हें आउट करते हुए भारत के लिए कड़े मुकाबले वाली जीत पक्की कर दी.

क्या बोले गावस्कर

रांची में भारत की जीत के बाद सुनील गावस्कर ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की वापसी शानदार थी. आखिरी तक, अंतिम ओवर तक मामला टच-एंड-गो का था, और आपको यह सराहना होगी कि 11 रन पर 3 विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने जिस तरह मुकाबला किया, वह काबिल-ए-तारीफ है.

भारत को अगले दो मैचों में सावधान रहना होगा.' बता दें कि भारत के 350 रनों के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम जल्दी ही 11/3 हो गई. हर्षित राणा ने नई गेंद से एक ओवर में दो विकेट झटके.

आईपीएल 2026:

ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल से लिया ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन से पहले एक और बड़ा नाम चर्चा में है। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का नाम 1,355 रजिस्टर्ड खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल नहीं है। फाफ डु प्लेसिस और आंद्रे रसेल के आईपीएल को अलविदा कहने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या मैक्सवेल भी लीग से रिटायर होने की तैयारी में हैं? पिछले सीजन में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। 6 पारियों में सिर्फ 48 रन, औसत 8, स्ट्राइक रेट 97.95, गेंदबाजी में 4 विकेट। सीजन के बीच में चोट लगने के कारण उन्हें टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा। पंजाब ने रिलीज करते समय साफ कहा था कि टीम संयोजन में वह शुरुआती प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं दिख रहे थे।

मिनी ऑक्शन लिस्ट में नहीं दिखा नाम

मिनी ऑक्शन लिस्ट में क्यों नहीं?

15 दिसंबर को होने वाले मिनी ऑक्शन के लिए मैक्सवेल ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। इससे कयास लगने लगे हैं कि शायद वे आईपीएल से हटने की तैयारी में हैं, खासकर तब जब फाफ डु प्लेसिस और आंद्रे रसेल जैसे दिग्गज हाल ही में रिटायरमेंट ले चुके हैं।

पाकिस्तान लीग के लिए मोईन अली ने भी आईपीएल छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। फाफ डु प्लेसिस के बाद अब इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने भी IPL 2026 में हिस्सा नहीं लेने और पीएसएल 2026 में खेलने का फैसला किया है। चार दिनों के भीतर ऐसा निर्णय लेने वाले वे दूसरे विदेशी खिलाड़ी हैं। इससे पहले 29 नवंबर को आरसीबी के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने आईपीएल से अपना नाम वापस लेकर आईपीएल खेलने की घोषणा की थी। आईपीएल का मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होना है। पाकिस्तान में खेलना हमेशा शानदार अनुभव देता है। क्रिकेट का स्तर बेहतरीन है और दर्शकों का जुनून आपको अपना 100 देने पर मजबूर कर देता है। इंशाअल्लाह, एक और यादगार अनुभव की उम्मीद है।'

सोशल मीडिया पर मोईन अली का ऐलान

मोईन अली ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की जानकारी देते हुए लिखा,'मैं पीएसएल के नए दौर में शामिल होने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह लीग दुनिया की शीर्ष टी20 लीगों में से एक है। हर टीम में वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी हैं।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप:

विश्व कप में भारतीय महिला टीम का जीत से आगाज

नामीबिया को 13-0 से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए सोमवार को नामीबिया को 13-0 से करारी शिकस्त दी। टीम की ओर से हिना बानो और कनिका सिवाच ने हैट्रिक लगाई।

भारत ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए सोमवार को नामीबिया को 13-0 से करारी शिकस्त दी। टीम की ओर से हिना बानो और कनिका सिवाच ने हैट्रिक लगाई। भारत के लिए हिना (35', 35', 45') और कनिका (12', 30', 45') ने तीन-तीन गोल किए। इसके अलावा साक्षी राणा (10', 23') ने दो गोल दागे, जबकि बिनीमा धन (14'), सोनम (14'), साक्षी शुक्ला (27'), इशिका (36') और मनिशा (60') ने भी एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारत ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

पहला क्वार्टर

पहले ही क्वार्टर में भारत ने चार मिनट के भीतर चार गोल दागकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। साक्षी ने रिवर्स फ्लिक से शानदार शुरुआत की, जिसके बाद कनिका ने दूसरा गोल दागा। बिनीमा ने तेज रन के बाद तीसरा गोल किया और सोनम के गोल ने भारत को शुरुआती पंद्रह मिनट में 4-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। साक्षी ने बेहतरीन दौड़ के बाद जोरदार स्ट्राइक से दूसरा गोल किया। इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर से छठा गोल आया। हाफ टाइम से ठीक पहले कनिका ने अपना दूसरा गोल कर भारत को 7-0 की बढ़त दिलाई।

तीसरा क्वार्टर

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में हिना ने जोरदार शॉट के साथ अपना पहला गोल दागा और एक मिनट बाद ही ढीली रिस्टार्ट का फायदा उठाकर दूसरा भी जोड़ दिया। पेनल्टी कॉर्नर पर आए रिबाउंड से इशिका ने दसवां गोल किया। इसके बाद एक और डिफ्लेक्शन पर हिना ने अपनी हैट्रिक पूरी की। कनिका ने भी पेनल्टी कॉर्नर से अपनी हैट्रिक पूरी कर भारत को 12-0 की बढ़त दिलाई।

केआईयूजी 2025:

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी ने मीट रिकॉर्ड तोड़कर हैमर थ्रो में गोल्ड जीता

जयपुर, एजेंसी। जैन यूनिवर्सिटी की कीर्थना और शिवाजी यूनिवर्सिटी के रुशीप्रसाद देसाई को क्रम से सबसे तेज़ महिला और पुरुष एथलीट का खिताब मिला ज गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 30 गोल्ड के साथ पदक तालिका में टॉप पर बनी हुई है जयपुर। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी ने सोमवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में महिलाओं के हैमर थ्रो में अपना ही मीट और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड तोड़कर गोल्ड मेडल जीता, जबकि जैन यूनिवर्सिटी की कीर्थना और शिवाजी यूनिवर्सिटी के रुशीप्रसाद देसाई को सबसे तेज़ महिला और पुरुष एथलीट का खिताब मिला। केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल खेलों में मुकाबला कर रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इन्हें होस्ट कर रही है।

हांगजो एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाली तान्या चौधरी ने 64.29 मीटर तक हैमर फेंका, जिससे उन्होंने अपना ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड बेहतर किया और केआईयूजी पदकों की हैट्रिक पूरी की। तान्या के नाम पहले का केआईयूजी मीट रिकॉर्ड 60.61 मीटर भी था। पंजाब यूनिवर्सिटी की हकीकत कौर ग्रेवा ने 51.90 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि पंजाबी यूनिवर्सिटी की अमन दीप कौर का 45.06 मीटरका थ्रो ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के लिए काफी था। तान्या ने साई मीडिया को बताया, 'मैं नेशनल रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चीजें प्लान के मुताबिक नहीं हुईं। लेकिन मैं लगातार तीसरा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स गोल्ड जीतकर खुश हूं।' चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने महिलाओं की शॉट पुट में भी गोल्ड मेडल जीता, जिसमें शिक्षा ने 15 मीटर की दूरी तय की। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी अब 13 गोल्ड के साथ ओवरऑल स्टैंडिंग में चौथे नंबर पर है। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 30 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ टॉप पर बनी हुई है। शाम के सेशन में, कीर्थना ने जैन यूनिवर्सिटी के लिए स्विमिंग पूल के बाहर पहला गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 11.94 सेकेंड के टाइम के साथ महिलाओं की 100 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की टीना पारीक (12.18 सेकेंड) और हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी की स्मृति जामवाल (12.21 सेकेंड) ने एक के बाद एक सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। शिवाजी यूनिवर्सिटी के ऋषिप्रसाद देसाई ने पुरुषों की 100 मीटर रेस में 10.53 सेकेंड के टाइम के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के लौकिक मेलगे (10.59 सेकेंड) और सोमैया विद्याविहार के जय भोईर (10.86 सेकेंड) ने एक के बाद एक सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। इससे पहले, रवींद्रनाथ टैगोर को रिप्रेजेंट करने वाली बुसरा खान ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में पहली गोल्ड मेडलिस्ट थीं, जिन्होंने महिलाओं की 5000 मीटररेस 18:15.27 मिनट में जीती।

एशेज: गाबा टेस्ट से बाहर हुए उस्मान ख्वाजा, वुड की जगह इंग्लैंड ने विल जैक्स को प्लेइंग में जगह दी

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ब्रिसबेन के गाबा में 4 दिसंबर से शुरू हो रही एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वहीं इंग्लैंड ने इंजर्ड मार्क वुड की जगह गाबा टेस्ट के लिए ऑलराउंडर विल जैक्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है।

उस्मान ख्वाजा दो सप्ताह पहले पीठ में लगी चोट की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ख्वाजा के विकल्प के रूप में किसी खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं देने का फैसला किया है। उस्मान ख्वाजा ने मंगलवार को गाबा में नेट्स में लगभग आधा घंटा बिताया। इस दौरान वह असहज दिखे। उनकी पीठ की चोट ठीक नहीं हुई है और वह दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं दिखे।

इसके बाद मैनेजमेंट ने उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर रखने का फैसला किया। वहीं गाबा टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने भी इंजर्ड तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह विल जैक्स को टीम में शामिल किया है।

स्मैट 2025 : हार्दिक पंड्या की दमदार वापसी, तूफानी बल्लेबाजी के साथ बने जीत के हीरो

हैदराबाद, एजेंसी। हार्दिक पंड्या ने लंबे वक्त बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए अपना जलवा बिखेरा है। मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप-सी मैच में हार्दिक पंड्या को पंजाब के खिलाफ ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। हार्दिक पंड्या ने पंजाब के खिलाफ 42 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ नाबाद 77 रन की पारी खेली।

इसके अलावा, उन्होंने 1 विकेट भी अपने नाम किया। हार्दिक पंड्या के इस

शानदार प्रदर्शन की बदौलत बड़ौदा ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। यह इस सीजन टीम की दूसरी जीत रही। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए 8 विकेट खोकर 222 रन बनाए।

इस टीम को प्रभसिमरन सिंह और कप्तान अभिषेक शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4.1 ओवरों में 53 रन जुटाए। प्रभसिमरन 16 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। पंजाब ने 92 के स्कोर तक अपने सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा दिया था।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: इन 5 धुआंधार खिलाड़ियों पर लुटाए जा सकते हैं 60 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेलने के लिए कुल 1355 खिलाड़ियों ने अपना नाम रजिस्टर कराया है. जिनमें पांच नाम ऐसे हैं जिन्हें सबसे ज्यादा पैसा मिल सकता है. इन खिलाड़ियों पर कम से कम 60 से 70 करोड़ रुपये लुटाए जा सकते हैं. इन खिलाड़ियों का जैकपॉट इसलिए भी लग सकता है क्योंकि इस बार आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बड़े नाम ऑक्शन में नहीं हैं.

रसेल ने केकेआर से रिलीज होते ही आईपीएल से संन्यास ले लिया वहीं मैक्सवेल ने क्यों इस बार रजिस्टर नहीं किया है इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है. इन दो खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में पांच खिलाड़ियों पर मोटा पैसा बरस सककता है, आइए आपको बताते हैं कौन हैं वो?

कैमरन ग्रीन

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ऑक्शन में भारी डिमांड में हो सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया का ये खिलाड़ी बैटिंग ही नहीं गेंदबाजी में भी अपना योगदान देता है और साथ ही वो एक गजब के फील्डर भी हैं. ग्रीन की खास बात ये है कि वो टॉप ऑर्डर से लेकर मिडिल ऑर्डर तक कहीं भी बैटिंग कर सकते हैं.

ग्रीन चोट के चलते आईपीएल का पिछला सीजन नहीं खेले थे लेकिन इस खिलाड़ी ने दो सीजन में 29 मैच जरूर खेले हैं और उन्होंने 41.5 की

औसत से 707 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं.

डेविड मिलर पर होगी नजर

डेविड मिलर पर भी एक बार फिर नजर रहने वाली हैं. बाएं हाथ का ये ऑलराउंडर लखनऊ सुपरजायंट्स टीम में था लेकिन उन्हें रिलीज कर दिया गया. बतौर मैच फिनिशर मिलर का कोई तोड़ ही नहीं है. ये खिलाड़ी आईपीएल में 141 मैचों में 35.7 की औसत से 3077 रन बना चुका है जिसमें एक शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं. मिलर पर ऑक्शन में मोटा पैसा बरस सकता है.

लियम लिविंगस्टन पर बरसेगा पैसा

पिछले सीजन आरसीबी के लिए खेलने वाले लियम लिविंगस्टन भी ऑक्शन में हॉट प्रॉपर्टी होंगे. लिविंगस्टन मिडिल ऑर्डर में आकर ताबड़तोड़ छक्के लगाने के अलावा अच्छे गेंदबाजी ऑप्शन भी हैं. वो ऑफ स्पिन और लेग स्पिन दोनों कर सकते हैं. लिविंगस्टन ने 49 मैचों में 26.27 की औसत से 1051 रन बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 160 के करीब है.

इंग्लैंड के 2 खिलाड़ी होंगे रडार पर: इंग्लैंड के 2 और खिलाड़ी आईपीएल ऑक्शन में मोटा पैसा कमा सकते हैं. इनमें विकेटकीपर जेमी स्मिथ का नाम शामिल है. ये खिलाड़ी हालिया दिनों में इंग्लैंड के लिए कई तूफानी इनिंग खेल चुका है. मिडिल ऑर्डर में आकर स्मिथ बड़े-बड़े शॉट खेलने का दम रखते हैं. बड़ी बात ये है कि वो स्पिनर्स के खिलाफ भी काफी मजबूत हैं.

नाम कांग्रेस का, टिकट भाजपा का:

-मुन्नार पंचायत चुनाव में सोनिया गांधी बनी चर्चा का केंद्र

नई दिल्ली । केरल की राजनीति में इन दिनों एक अनोखा और रोचक मामला चर्चा में है। राज्य के मशहूर हिल स्टेशन मुन्नार में होने जा रहे पंचायत चुनावों ने सबका ध्यान इसलिए खींचा है क्योंकि यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोनिया गांधी नाम की एक महिला को उम्मीदवार बनाया है। नाम वही है, जो कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का है, लेकिन यह केवल नाम का संयोग है। दोनों के बीच किसी तरह का पारिवारिक या राजनीतिक संबंध नहीं है। मुन्नार के नल्लत्थानी वार्ड से भाजपा की उम्मीदवार बनीं सोनिया गांधी की उम्र 34 वर्ष है और वे इसी क्षेत्र की निवासी हैं। खास बात यह है कि उनका नाम उनके पिता ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से प्रभावित होकर रखा था। राजनीति में यह शायद पहला मौका है जब कांग्रेस की सबसे बड़ी पहचान रहे नाम को लेकर कोई उम्मीदवार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है, और यही वजह है कि यह मामला लोगों के लिए कौतूहल का विषय बन गया है। सोनिया गांधी का जन्म वर्ष 1991 में हुआ था। उनके पिता दुरे राज स्थानीय मजदूर थे और कट्टर कांग्रेस समर्थक माने जाते थे। दुरे राज उस दौर में कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर सोनिया गांधी, से काफी प्रभावित थे। इसी प्रभाव के चलते उन्होंने अपनी बेटी का नाम भी सोनिया गांधी रख दिया। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही नाम आगे चलकर भाजपा के चुनावी पोस्टरों पर नजर आएगा। समय के साथ सोनिया गांधी की जिंदगी ने अलग मोड़ लिया। उनकी शादी भाजपा नेता और पंचायत के जनरल सेक्रेटरी सुभाष से हुई। शादी के बाद सोनिया का राजनीतिक रुझान भी बदला और वे सक्रिय रूप से भाजपा की राजनीति से जुड़ गईं। उन्होंने अपने पति के साथ संगठनात्मक कामों में हिस्सा लेना शुरू किया और धीरे-धीरे स्थानीय राजनीति में पहचान बनाई। उनके पति सुभाष खुद भी क्षेत्र में सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता हैं। वह वर्तमान में पंचायत के जनरल सेक्रेटरी हैं और इससे पहले पुराने मुन्नार मूलक्कड़ा वार्ड के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं। सुभाष की राजनीतिक सक्रियता और संगठन से जुड़ाव का असर सोनिया गांधी पर भी पड़ा, जिसके बाद उन्होंने खुद चुनावी राजनीति में उतरने का फैसला किया। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। पहले चरण की वोटिंग 9 दिसंबर को और दूसरे चरण की 11 दिसंबर को होगी। चुनाव परिणाम 13 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। मुन्नार के नल्लत्थानी वार्ड में सोनिया गांधी की उम्मीदवारी को लेकर खासा उत्साह और चर्चा है। एक ओर जहां नाम के कारण लोग चौक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा इसे जमीनी कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने के तौर पर देख रही है।

जनगणना 2027: दो चरणों में होगी देश की आबादी की गिनती

-अप्रैल 2026 से प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत की अगली जनगणना 2027 में कराई जाएगी और यह प्रक्रिया दो चरणों (फेज) में पूरी होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिखित सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जनगणना की पूरी टाइमलाइन, प्रक्रिया और अहम बिंदुओं की जानकारी दी। यह जनगणना कई मायनों में खास मानी जा रही है, क्योंकि इसमें डिजिटल डेटा कलेक्शन, सेल्फ-एन्यूमरेशन और जाति गणना जैसे अहम पहलू शामिल होंगे।

दो चरणों में जनगणना की प्रक्रिया-

गृह मंत्रालय के अनुसार, जनगणना 2027 को पिछले जनगणना चक्रों की तरह ही दो फेज में पूरा किया जाएगा।

पहला चरण – हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस: पहला फेज अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगा। इसमें देश के हर घर की सूची तैयार की जाएगी और मकानों से जुड़ा डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इस फेज की अवधि लगभग 30 दिन की होगी, हालांकि अलग-अलग राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी भौगोलिक और प्रशासनिक परिस्थितियों के अनुसार इसकी सटीक टाइमलाइन तय करेंगे। इस चरण में यह जानकारी जुटाई जाती है कि कितने घर हैं, उनकी स्थिति कैसी है, सुविधाएं कौन-कौन सी मौजूद हैं और घरों में रहने वाले परिवारों की बुनियादी रूपरेखा क्या है। यह पूरी जनगणना प्रक्रिया की नींव मानी जाती है।

दूसरा चरण – आबादी की गणना: जनगणना का दूसरा और सबसे अहम फेज फरवरी 2027 में होगा। इसमें देश की कुल आबादी की गिनती की जाएगी और हर व्यक्ति से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय जानकारी जुटाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को पूरे देश के लिए रेफरेंस डेट माना जाएगा, यानी उसी पल की स्थिति के आधार पर आबादी दर्ज की जाएगी।

बर्फीले इलाकों के लिए अलग व्यवस्था-

गृह मंत्रालय ने यह भी साफ किया है कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे बर्फीले और दुर्गम क्षेत्रों में आबादी की गणना सामान्य फेज से पहले की जाएगी। इन इलाकों में सितंबर 2026 में जनगणना होगी और यहां 1 अक्टूबर 2026 को रेफरेंस डेट माना जाएगा। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण जनगणना कर्मियों को दिक्कत न हो।

पिछली जनगणनाओं से सीख, नए प्रयोग-

नित्यानंद राय ने अपने जवाब में बताया कि सरकार इस बार जनगणना के दौरान पिछली एक्सरसाइज से मिले सबक और बेस्ट प्रैक्टिस को शामिल कर रही है। इसमें कुछ राज्यों में किए गए जाति-आधारित सर्वे से मिली सीख भी शामिल है। जनगणना की पूरी प्रक्रिया में स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन, यानी राज्यों, मंत्रालयों और विशेषज्ञों से सलाह ली गई है।

सवाल तय करने से पहले व्यापक चर्चा-

जनगणना में पूछे जाने वाले सवाल किसी एक स्तर पर तय नहीं होते। मंत्रालय के अनुसार, प्रश्नावली को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित मंत्रालयों, यूजर ऑर्गनाइजेशन और विषय विशेषज्ञों से चर्चा की जाती है। इसके बाद यह भी जांचा जाता है कि सवाल व्यावहारिक हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से ड्राफ्ट क्वेश्चनेयर की फील्ड टेस्टिंग की जाती है, ताकि यह देखा जा सके कि जमीनी स्तर पर डेटा कलेक्शन में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही। जनगणना 2027 के लिए देशभर में प्री-टेस्ट 30 नवंबर को पूरा कर लिया गया है और अब फाइनल क्वेश्चनेयर को जल्द ही आधिकारिक गजट में नोटिफाई किए जाने की उम्मीद है। रजिस्ट्रार जनरल और सेंसस कमिश्नर का कार्यालय इस प्रक्रिया में लगा हुआ है। इसके अलावा, हाउस लिस्टिंग फेज का पायलट 10 से 30 नवंबर 2025 के बीच किया गया। इस दौरान डिजिटल डेटा कलेक्शन मॉडल को भी परखा गया। खास बात यह रही कि 1 से 7 नवंबर 2025 के बीच लोगों को सेल्फ-एन्यूमरेशन, यानी खुद अपनी जानकारी दर्ज करने की अनुमति भी दी गई।

राजस्थान, एमपी और पहाड़ी राज्यों में सर्दी की दस्तक

-शीतलहर और कोहरे का अलर्ट जारी

नई दिल्ली । देश के कई हिस्सों में इस समय ठंड ने अपना असर बढ़ा दिया है। खासकर राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और बिहार में मौसम ने सर्दी की कड़वाहट महसूस कराई है। दिसंबर की शुरुआत में ही पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है, जबकि मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में शीतलहर और कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में शीतलहर का अलर्ट-

राजस्थान में आज से अगले तीन दिनों तक शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिले में कोल्डवेव का यलो अलर्ट है। मंगलवार को राजस्थान के बीकानेर के पास लूणकरणसर में न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पता चलता है कि राजस्थान में ठंड की रफ्तार बढ़ गई है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखें।

मध्य प्रदेश में सर्दी का असर बढ़ा-

मध्य प्रदेश में भोपाल और इंदौर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान और गिर सकता है। खासकर इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग में सर्दी सबसे ज्यादा महसूस होगी। लोग सुबह और रात के समय घरों से बाहर निकलते समय गर्म कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा तापमान में गिरावट के कारण मैदानी क्षेत्रों में भी कोल्ड वेव के प्रभाव से ठंड बढ़ रही है।

हिमाचल प्रदेश में कड़ाके की सर्दी-

हिमाचल प्रदेश में भी सर्दी का जोर लगातार बढ़ रहा है। राज्य के 24 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। लाहौल-स्पीति के ताबो में बीती रात इस सर्दी सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जहां तापमान माइनस 8 डिग्री तक गिर गया। राज्य के अन्य जिलों में भी सुबह का तापमान बेहद कम दर्ज किया गया। बर्फबारी की वजह से पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हो सकता है। हिमाचल के पर्यटक क्षेत्रों में सर्दी के चलते भीड़ बढ़ रही है, लोग बर्फबारी और ठंड का आनंद लेने के लिए यहां आने लगे हैं।

बिहार में कोहरे और विजिबिलिटी की समस्या-

बिहार में पटना, गोपालगंज, बेतिया और समस्तीपुर समेत आठ जिलों में कोहरा छाया हुआ है। बेगूसराय में भी बादल छाए रहे। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने के चलते 11 फ्लाइट लेट रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बिहार में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज हो सकती है। कोहरे के कारण सड़क यातायात और हवाई यातायात पर भी असर पड़ सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें।

भारत-रूस सैन्य समझौता

-एक-दूसरे के बेस और संसाधनों का इस्तेमाल संभव

मॉस्को (एजेंसी)। रूस और भारत के बीच सैन्य साझेदारी एक नए मोड़ पर पहुँच गई है। रूस की संसद के निचले सदन, स्टेट ड्यूमा ने मंगलवार को भारत और रूस के बीच हुए सैन्य समझौते 'RELOS' को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से केवल दो दिन पहले दी गई है। इस समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे के मिलिट्री बेस, सुविधाओं और संसाधनों का इस्तेमाल और एक्सचेंज कर सकेंगे। इस समझौते के तहत दोनों देशों के विमान और वॉरशिप ईंधन भर सकते हैं, मिलिट्री बेस पर डेरा डाल सकते हैं और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पर आने वाला खर्च दोनों देशों द्वारा बराबर-बराबर उठाया जाएगा। यह समझौता 18 फरवरी 2025 को दोनों देशों के बीच हुआ था और पिछले हफ्ते रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने इसे संसद में मंजूरी के लिए भेजा था। रूसी संसद के स्पीकर ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते लंबे समय से मजबूत हैं और यह समझौता इन रिश्तों को और भी मजबूती देगा। रूसी सरकार ने भी स्पष्ट किया कि इस समझौते से दोनों देशों की सैन्य साझेदारी और ज्यादा मजबूत होगी और जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे की मदद करना आसान होगा। विशेष रूप से यह समझौता इसलिए अहम है क्योंकि इसके बाद भारत ऐसा पहला देश बन जाएगा, जो अमेरिका और रूस दोनों के साथ अपने सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को साझा कर सकेगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने भास्कर से बातचीत में इसकी पुष्टि की और कहा कि यह समझौता अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी बताया कि इस समझौते से अमेरिका और रूस के बीच किसी भी प्रकार के सैन्य टकराव की संभावना नहीं बढ़ेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह समझौता भारत और रूस के बीच रणनीतिक सहयोग को नए आयाम देगा।

मौलाना मदनी का बयान:

-आतंकवाद से लड़ना ही असली जिहाद, शब्दों का गलत मतलब न फैलाएँ

नई दिल्ली । जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने "जिहाद" शब्द को लेकर दिए गए अपने बयान पर सफाई पेश की है और साफ किया है कि उनका मकसद किसी तरह का भ्रम पैदा करना नहीं था, बल्कि इस पवित्र और ऐतिहासिक शब्द के वास्तविक अर्थ को सामने लाना था। उन्होंने कहा कि यदि उनके बयान से किसी तरह की गलतफहमी पैदा हुई है तो उसकी जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं, लेकिन उनके शब्दों को पूरे संदर्भ से हटकर समझा और पेश किया गया। न्यूज एजेंसी ANI को दिए एक इंटरव्यू में मौलाना मदनी ने कहा कि जिहाद इस्लाम का एक बुनियादी और पवित्र सिद्धांत है, जिसका अर्थ केवल लड़ाई या हिंसा नहीं है। जिहाद का असली मतलब "संघर्ष" या "प्रयास" है—वह प्रयास जो इंसान बुराई के खिलाफ, अपने नफ्स (आंतरिक कमजोरियों) के खिलाफ और समाज में इंसाफ, अमन और भलाई कायम करने के लिए करता है। उनके मुताबिक, आतंकवादियों से लड़ना और समाज को हिंसा से बचाना ही आज के दौर में जिहाद का सही और सच्चा रूप है। मौलाना मदनी ने कहा कि दुर्भाग्य से जिहाद शब्द को जानबूझकर बदनाम किया गया है। इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने इसे गाली, झगड़े और हिंसा का पर्याय बना दिया है, जबकि इसका ऐतिहासिक और इस्लामी अर्थ इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि सरकारों और कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा इस शब्द का तोड़-मरोड़ कर इस्तेमाल किया जाना न सिर्फ इस्लाम की शिक्षाओं का अपमान है, बल्कि करोड़ों मुसलमानों की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने खास तौर पर "लव जिहाद", "लैंड जिहाद", "तालीम जिहाद", "थूक जिहाद" और "वोट जिहाद" जैसे शब्दों पर कड़ी आपत्ति जताई। मदनी के अनुसार, इन शब्दों का इस्तेमाल मुसलमानों को सामूहिक रूप से शक के घेरे में डालने और उनके खिलाफ नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है। यह एक सोची-समझी रणनीति है, जिसके जरिए एक पवित्र धार्मिक शब्द को राजनीतिक और सामाजिक हथियार बना दिया गया है। भोपाल में 29 नवंबर को जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी की बैठक के दौरान दिए गए अपने बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उनका आशय यह बताने का था कि जिहाद को हिंसा से जोड़ना न सिर्फ गलत है, बल्कि खतरनाक भी है। इससे समाज में गलत धारणाएं फैलती हैं और सांप्रदायिक तनाव बढ़ता है। उनका कहना था कि आतंकवाद किसी भी मजहब का हिस्सा नहीं हो सकता और जो लोग धर्म के नाम पर हिंसा फैलाते हैं, वे इंसानियत और इस्लाम—दोनों के दुश्मन हैं। अंत में मौलाना मदनी ने अपील की कि जिहाद जैसे शब्दों को उनके सही ऐतिहासिक, धार्मिक और नैतिक संदर्भ में समझा जाए। उन्होंने कहा कि अगर समाज में अमन, इंसाफ और आपसी भाईचारा कायम रखना है, तो शब्दों के साथ नहीं, उनके गलत और नफरत भरे इस्तेमाल के साथ लड़ाई लड़नी होगी।

आजम खान फिर जेल:

-11 बार विधायक-सांसद रहे नेता बने कैदी नंबर 425

-रामपुर में लोगों ने योगी से रहम की गुहार

रामपुर । 17 नवंबर 2025 को दोपहर के समय उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और रामपुर के चर्चित नेता आजम खान फिर से जेल की सलाखों के पीछे चले गए। पुलिस ने उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला को रामपुर के MP-MLA कोर्ट से सीधे जिला जेल में भेजा। जैसे ही पुलिस की गाड़ी जेल के मेन गेट पर पहुंची, मीडिया और स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। आजम हाथ में चश्मे का केस और दो पैकेट बिस्किट लिए नजर आए। पीछे उनका बेटा अब्दुल्ला भी गाड़ी से उतरा। आजम खान से उनके फर्जी पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा को लेकर सवाल पूछा गया। उनका संक्षिप्त उत्तर था, "बेहतर है। कोर्ट ने गुनहगार समझा, तो सजा सुनाई है।" इस छोटे से जवाब में उनकी हताशा और बेबसी स्पष्ट झलक रही थी। राजनीतिक रूप से आजम खान एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने लगातार 11 बार विधायक और सांसद के रूप में अपनी पहचान बनाई है। लेकिन पिछले पांच वर्षों में उनके जीवन का बड़ा हिस्सा जेल की सलाखों के पीछे बीता। 5 साल में 50 महीने तक जेल में रहने का यह रिकॉर्ड आजम खान की राजनीति और कानूनी लड़ाइयों की लंबी कहानी को बयान करता है। रामपुर के लोग अब आम तौर पर कहते हैं कि आजम खान के किसी भी नए मामले में जेल जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। फिर भी, वे चाहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन पर रहम करें। आजम खान पर अब तक दर्ज मामलों की संख्या 104 है, जिनमें फर्जी डॉक्यूमेंट देने, जमीन कब्जाने और हेट स्पीच से संबंधित आरोप शामिल हैं। इन मामलों में 11 का फैसला आ चुका है। छह मामलों में उन्हें सजा मिली, जबकि पांच मामलों में उन्हें बरी किया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि आजम खान और उनकी राजनीतिक छवि विवादों और कानूनी झमेलों से जुड़ी रही है। इस बार का मामला, यानी फर्जी पैन कार्ड का मामला, उन पर ताजा सजा का कारण बना। दो महीने पहले, 23 सितंबर को आजम खान सीतापुर जेल से जमानत पर बाहर आए थे। जमानत मिलने के बाद वे 55 दिन तक अपने परिवार के साथ रहे। लेकिन अब यही मामला उन्हें फिर से जेल की राह पर ले गया है। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला अब रामपुर जेल की बैरक नंबर 1 में कैद हैं। इस बैरक में आजम की पहचान कैदी नंबर 425 के रूप में है। यह बैरक उनके घर से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस नजदीकी के कारण उन्हें अपने मोहल्ले की मस्जिद में होने वाली नमाज की आवाज भी सुनाई देती है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, आजम खान की यह स्थिति उनकी राजनीति में उतार-चढ़ाव का प्रतीक है। एक ओर वे विधानसभा और संसद में लगातार चुने जाने वाले नेता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके कानूनी मामले उनके राजनीतिक करियर पर गहरा असर डालते रहे हैं। रामपुर के लोग, जो उन्हें अपने इलाके का प्रमुख चेहरा मानते हैं, इस समय उनके लिए चिंता और सहानुभूति व्यक्त कर रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि आजम खान के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या और उनके फैसले यह दर्शाते हैं कि भारतीय न्यायपालिका ने अपने स्तर पर पूरी प्रक्रिया का पालन किया है। वहीं उनके समर्थक यह मानते हैं कि राजनीतिक प्रभाव और स्थानीय लोकप्रियता के बावजूद, उन्हें न्याय की दृष्टि से कुछ राहत मिलनी चाहिए। इस पूरी घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत में राजनीतिक और कानूनी लड़ाइयां अक्सर लंबे समय तक चलती हैं और कभी-कभी राजनीतिक नेता भी ऐसे समय में जेल का सामना करते हैं जब वे सक्रिय राजनीति में हैं। आजम खान के मामले में यह दृश्य बहुत ही स्पष्ट रूप में देखने को मिलता है। आजम खान का व्यक्तित्व और उनका राजनीतिक करियर हमेशा विवादों और चर्चाओं में रहा है।

पुतिन की चेतावनी:

-यूरोप युद्ध शुरू करेगा तो रूस पूरी ताकत से जवाब देगा

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने मंगलवार को यूरोपीय देशों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि रूस यूरोप से युद्ध की शुरुआत नहीं करना चाहता, लेकिन अगर कोई देश रूस के खिलाफ युद्ध शुरू करता है, तो रूस पूरी तरह से जवाब देने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि ऐसा युद्ध इतना गंभीर और विनाशकारी होगा कि स्थिति इतनी तेजी से बिगड़ेगी कि किसी के पास शांति समझौते की गुंजाइश नहीं बचेगी। पुतिन ने अपने बयान में यह भी कहा कि वर्तमान में रूस यूक्रेन में पूरी तरह युद्ध नहीं कर रहा है। उन्होंने इसे "सर्जिकल ऑपरेशन" जैसा सीमित अभियान बताया। उनका कहना था कि रूस की रणनीति और कार्रवाई अब तक नियंत्रित और लक्ष्य केंद्रित रही है, लेकिन यदि सीधे यूरोप के किसी देश के साथ युद्ध होता है, तो हालात पूरी तरह बदल जाएंगे। रूस पूरी ताकत और संसाधनों के साथ जवाब देगा। राष्ट्रपति ने यूरोप को यह संदेश भी दिया कि रूस की तैयारी पूर्ण है और उसके पास रणनीति और सैन्य क्षमता दोनों हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी आक्रामक कदम रूस को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुतिन ने यह साफ किया कि रूस केवल खुद की रक्षा के लिए ही कदम उठाएगा, लेकिन यदि जरूरत पड़ी तो उसका जवाब पूरी तरह निर्णायक और विनाशकारी होगा। विश्लेषकों का मानना है कि पुतिन का यह बयान यूरोप और NATO देशों के लिए एक स्पष्ट संदेश है। वह चाहते हैं कि यूरोपीय देश रूस के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले सावधान रहें। पुतिन के इस बयान से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा और शांति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस तरह पुतिन ने यूरोप को दो संदेश दिए—पहला, रूस संघर्ष से बचना चाहता है और दूसरा, अगर युद्ध हुआ तो उसका परिणाम विनाशकारी होगा।

पुतिन और ट्रम्प के दामाद की 5 घंटे बैठक:

-डोनबास बिना शांति संभव नहीं

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद तथा अमेरिका के विशेष दूत जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को पांच घंटे लंबी बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य एजेंडा यूक्रेन युद्ध और वहां शांति स्थापित करने के संभावित उपाय थे। बैठक में रूस और अमेरिका दोनों पक्ष शामिल थे, जिसमें अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी मौजूद थे। बैठक के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने साफ किया कि जब तक यूक्रेन रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपता, तब तक कोई स्थायी समझौता संभव नहीं है। पुतिन का यह रुख इस बात को दर्शाता है कि रूस की प्राथमिक मांग डोनबास पर नियंत्रण बनाए रखना है। पुतिन ने यह भी कहा कि युद्ध रोकने या तुरंत शांति स्थापित करने पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने बताया कि बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई और कुछ अमेरिकी शांति प्रस्तावों के हिस्सों पर पुतिन ने सहमति भी जताई। हालांकि, कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पुतिन ने स्पष्ट नापसंदगी दिखाई। उशाकोव के अनुसार, बैठक फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा ठोस प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर दोनों पक्ष पूरी तरह सहमत हो सकें। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच घंटे की यह बैठक इस तथ्य को उजागर करती है कि रूस और अमेरिका के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर विचारों में बड़ा अंतर है। अमेरिका ने शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के कई सुझाव दिए, लेकिन पुतिन की प्राथमिक शर्त—डोनबास का नियंत्रण—अभी भी विवाद का केंद्र बनी हुई है। इस बैठक से यह भी संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में रूस-यूक्रेन संघर्ष पर कोई तत्काल समाधान मुश्किल है। दोनों पक्षों को अभी कई मुद्दों पर अतिरिक्त बातचीत और समझौते की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, बैठक लंबी और गहन रही, लेकिन किसी भी पक्ष के लिए संतोषजनक समाधान फिलहाल दूर ही नजर आता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,